सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

एशिया कप में बुमराह सहित ये तीन खिलाड़ी निभाएंगे अहम भूमिका: सहवाग -पेज: 7

काम हीरो जितना लेकिन पैसा दसवां हिस्सा : प्रियंका चोपड़ा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 141 | शनिवार 30 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

भारत-जापान संबंधों को नई उड़ान, 10 ट्रिलियन येन निवेश का रोडमैप तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने शुक्रवार को एक संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित किया। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-जापान के बीच स्पेशल स्ट्रैटेजिक एंड ग्लोबल पार्टनरशिप को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता जताई। भारत और जापान दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और जीवंत लोकतंत्र हैं, जिनकी साझेदारी वैश्विक शांति व स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत प्रधानमंत्री इशिबा के गर्मजोशी भरे स्वागत और आत्मीय शब्दों के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज की चर्चा उपयोगी और उद्देश्यपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि भारत और जापान न केवल दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि जीवंत लोकतंत्र भी हैं, और ऐसे में उनकी साझेदारी केवल द्विपक्षीय हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी ने कहा, मजबूत

उन्होंने बताया कि सतत विकास की दिशा में भारत और जापान एक सस्टेनेबल फ्यूल्स इनिशिएटिव और बैटरी सप्लाई चेन पार्टनरशिप की शुरूआत करने जा रहे हैं। इसके अलावा, दोनों देशों ने इकोनॉमिक सिक्योरिटी को ऑपरेशन इनिशिएटिव लॉन्च करने का निर्णय लिया है

लोकतंत्र, बेहतर विश्व व्यवस्था गढ़ने के लिए स्वाभाविक साझेदार हैं। दोनों देशों ने साझेदारी का नया अध्याय शुरू कर आगामी दशक के लिए व्यापक रोडमैप तैयार किया है प्रधानमंत्री ने आगे बताया कि दोनों देशों ने आज अपनी साझेदारी में एक नए और सुनहरे अध्याय की नींव रखी है और आने वाले दशक के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार किया गया है। इस साझा दृष्टिकोण में निवेश, नवाचार आर्थिक सुरक्षा पर्यावरण संरक्षण तकनीकी सहयोग स्वास्थ्य सेवाएं, गतिशीलता जन-से-जन संपर्क और राज्यों व जापानी प्रीफेक्चर्स के बीच साझेदारी जैसे क्षेत्र शामिल हैं। भारत ने अगले दस वर्षों में जापान से 10 ट्रिलियन येन निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है भारत ने अगले दस वर्षों में जापान से 10 ट्रिलियन येन निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह कदम दोनों देशों की प्रतिबद्धता और विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि सतत विकास की दिशा में भारत और जापान एक सस्टेनेबल फ्यूल्स इनिशिएटिव और बैटरी सप्लाई चेन पार्टनरशिप की शुरूआत करने जा रहे हैं। इसके अलावा, दोनों देशों ने इकोनॉमिक सिक्योरिटी कोऑपरेशन इनिशिएटिव लॉन्च करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत महत्वपूर्ण और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी का क्षेत्र दोनों देशों की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उच्च प्रौद्योगिकी का क्षेत्र दोनों देशों की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर है। इस दिशा में डिजिटल पार्टनरशिप 2.0 और एआई को ऑपरेशन इनिशिएटिव पर काम शुरू होगा। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर्स और रेयर अर्थ मिनरल्स भी साझा एजेंडे में सबसे ऊपर रखे गए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इन पहलों से भारत- जापान संबंध आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक मंच पर और अधिक मजबूत होंगे पीएम मोदी ने कहा कि इन पहलों से भारत- जापान संबंध न केवल आर्थिक और तकनीकी दृष्टि से मजबूत होंगे, बल्कि वैश्विक मंच पर भी नई दिशा प्रदान करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में दोनों देशों की साझेदारी विश्व शांति, स्थिरता और विकास की राह को और सुदृढ़ करेगी।

हम हमेशा मराठों के साथ खड़े रहे, मनोज जारांगे के आरक्षण विरोध के बीच बोले सीएम फडणवीस

मुंबई: मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारंगे द्वारा शुक्रवार को मुंबई के आजाद मैदान में भूख हड़ताल शुरू करने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार कानूनी और संवैधानिक ढांचे के भीतर समाधान खोजने के लिए प्रतिबद्ध है और उन्होंने जोर देकर कहा कि हमारी सरकार हमेशा मराठा समुदाय के साथ खड़ी है। दक्षिण मुंबई में हजारों समर्थकों के जमावड़े के बीच सुबह अपना अनशन शुरू करने वाले जरांगे ने कहा कि जब तक समुदाय की माँगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक वह नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों के धरना स्थल की ओर बढ़ने से शहर के कई हिस्सों में यातायात ठप हो गया। पत्रकारों से बात करते हुए, फडणवीस ने कहा कि आज प्रदर्शनकारी मुंबई में हैं और मनोज जरांगे पाटिल ने भी लोगों से इसमें शामिल होने का आह्वान किया है। सरकार सहयोग कर रही है और आंदोलन लोकतांत्रिक तरीके से चल रहा है।

अंबाला में रिहायशी क्षेत्रों में गुस्सा टांगरी नदी का पानी, मौके पर पहुंचे मंत्री अनिल विज... एनडीआरएफ और कश्तियां बुलाई

अंबाला (एजेंसी): बरसाती दिनों में अक्सर परेशानी खड़ी करने वाली टांगरी नदी बृहस्पतिवार सुबह अचानक उफान पर आ गई। सुबह करीब 30 हजार क्यूसिक से अधिक पानी नदी में पहुंचा, जो सामान्य से कई गुना ज्यादा था। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला जाने पर आसपास की कॉलोनियों में चिंता फैल गई। हालात का जायजा लेने ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज खुद मौके पर पहुंचे और प्रशासन को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। मंत्री अनिल विज ने सुबह सबसे पहले टांगरी नदी पुल पर खड़े होकर बहाव की स्थिति देखी। इसके बाद उन्होंने टांगरी बांध रोड, मतिदास नगर, गोल्डन पार्क, बब्याल, रामपुर, सरसेहड़ी, प्रभु प्रेम पुरम, करधान और

नग्गल तक का दौरा किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को बार-बार अनाउंसमेंट कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए। मौके पर भाजपा नेता कपिल विज, संजीव वालिया, अजय बवेजा और विशाल टांगरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। विज ने कहा कि बरसात से पहले टांगरी नदी की खुदाई कर इसे गहरा किया गया था, जिससे पानी का बहाव सुरक्षित निकल सके। हालांकि अवरोधों के कारण केवल 25 फीसदी काम ही हो पाया है। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि पानी सुरक्षित निकल जाएगा, लेकिन खतरे को देखते हुए सभी विभागों को सतर्क रहने को कहा गया है स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अंबाला छावनी में एनडीआरएफ की टीम तैनात कर दी गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने कश्तियां भी मंगवाई हैं। मंत्री विज ने कहा कि जिनके घर टांगरी नदी के किनारे या कैचमेंट एरिया में हैं, उन्हें अपना जरूरी सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी जा रही है। मंत्री ने मौके पर सिंचाई विभाग, पुलिस, नगर परिषद और अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक भी की और सभी को मिलकर काम करने के आदेश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग से जानकारी ली कि दोपहर तक नदी में और कितना पानी आ सकता है।

गांधी परिवार से कोई जेल नहीं गया, हमें फर्जी केस में भेजा गया, केजरीवाल का कांग्रेस- भाजपा पर बड़ा वार

नई दिल्ली (एजेंसी): आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच मिलीभगत का आरोप लगाया है। उन्होंने स्पष्ट नेशनल हेराल्ड मामले में केंद्र सरकार की निष्क्रियता पर सवाल उठाया है, जबकि उनकी पार्टी के नेताओं को झूठे मामलों में जेल भेजा गया है। केजरीवाल ने नई दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में पार्टी विधायकों और पार्षदों को संबोधित करते हुए कहा कि लोग पूछते हैं कि भाजपा ने आप के पाँच शीर्ष नेताओं को जेल क्यों भेजा, लेकिन कांग्रेस के एक भी नेता को नहीं। वे नेशनल हेराल्ड मामले पर लगातार चिल्लाते रहते हैं, जिसके बारे में मैंने खुद ऑनलाइन पढ़ा है। केजरीवाल ने दावा किया कि ऑनलाइन उपलब्ध

तथ्यों के अनुसार, यह एक स्पष्ट मामला लगता है। फिर भी गंभीर आरोपों के बावजूद, गांधी परिवार का कोई भी व्यक्ति जेल नहीं गया है, जबकि हम पूरी तरह से मनगढ़ंत मामलों में जेल में हैं। मामले में निष्क्रियता का हवाला देते हुए, केजरीवाल ने अब दोनों राष्ट्रीय दलों के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया है, जबकि आप नेताओं को परेशान किया जा रहा है। यह टिप्पणी आप नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज पर कथित अस्पताल निर्माण घोटाले से जुड़े एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा छापेमारी के कुछ ही दिनों बाद आई है। केजरीवाल ने कहा कि लोग मूर्ख नहीं हैं। आज व्यापक चर्चा है - कुछ लोग कहते हैं कि मायावती ने समझौता किया है, कुछ कहते हैं (असदुद्दीन) ओवैसी ने, लेकिन अब ज्यादातर लोग कहते हैं कि कांग्रेस ने समझौता किया है... हम राजनीति में देश प्रेम के लिए आए हैं, समझौता करने नहीं। हम देश के लिए लड़ते रहेंगे। आपको पार्टी, सत्ता, अपने या अपने परिवार के लिए कभी समझौता नहीं करना चाहिए। अगर मुझे समझौता करना पड़ा तो मैं अपने देश के लिए समझौता करूंगा। आम आदमी पार्टी, जिसने इस साल की शुरूआत में दिल्ली में सत्ता खो दी थी, हाल ही में विपक्षी दलों के भारत ब्लॉक से बाहर निकल गई, यह दावा करते हुए कि यह व्यवस्था केवल लोकसभा चुनाव तक ही चलने के लिए थी। आप का मुकाबला पंजाब में भी कांग्रेस से है, जो एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ वह सत्ता में है

कांग्रेस जितना देगी गाली, उतना खिलेगा कमल, पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर अमित शाह का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार में इंडिया ब्लॉक के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गीय मां के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल की कड़े शब्दों में निंदा की है। गुवाहाटी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस की ऐसी हरकतें न सिर्फ शर्मनाक हैं, बल्कि इससे बीजेपी की जीत का रास्ता और मजबूत होता है। उन्होंने इस घटना को देश के लोगों की भावनाओं पर चोट बताया और राहुल गांधी से माफी की मांग की है। माफी मांगे राहुल: अमित शाह अमित शाह ने अपने भाषण में कहा, "दो दिन पहले जो हुआ, उसने हर किसी का दिल दुखाया। मोदी जी की मां ने गरीबी में जीवन जिया, अपने बच्चों को संस्कार दिए और अपने बेटे को देश का भरोसेमंद नेता बनाया। ऐसी शख्सियत के लिए अपशब्द कहना

देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी।" उन्होंने राहुल गांधी को कहा कि उन्हें पीएम मोदी, उनकी स्वर्गीय मां और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए शाह ने यह भी कहा कि कांग्रेस की ऐसी हरकतें उनकी हार का कारण बनेंगी। उन्होंने जोर देकर कहा, "जितना कांग्रेस गाली देगी, उतना ही बीजेपी जीतेगी।" क्या है मामला? दरअसल, बिहार में चुनावी माहौल के बीच कांग्रेस के 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान दरभंगा में कुछ कांग्रेस कार्यकर्ता ने पीएम मोदी और उनकी मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें मंच पर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और तेजस्वी यादव के पोस्टर नजर आए। बीजेपी ने इस मामले में पटना के कोतवाली थाने में FIR दर्ज की और कांग्रेस से माफी की मांग की है।

मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है, पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकताओं के बीच झड़प पर बोले राहुल गांधी

बिहार (एजेंसी): चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प के बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सत्य और अहिंसा की जीत होती है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने एक्स को लेते हुए हिंदी में लिखा कि सत्य और अहिंसा के आगे। असत्य और हिंसा टिक ही नहीं सकते। उन्होंने कहा कि मारो और तोड़ो, जितना मारना-तोड़ना है - हम सत्य और संविधान की रक्षा करते रहेंगे। सत्यमेव जयते। चुनावी राज्य बिहार में राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणियों के विरोध में केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोलने के बाद पटना में झड़प हो गई। एक वीडियो में दोनों दलों के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अपनी-अपनी पार्टी के झंडों से एक-

दूसरे पर हमला करते दिख रहे हैं। पटना स्थित कांग्रेस कार्यालय के सामने भाजपा द्वारा कांग्रेस के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मौके पर पथराव किया गया। बिहार के मंत्री और भाजपा नेता नितिन नवीन ने कहा कि जनता कांग्रेस को करारा जवाब देगी। नवीन ने एएनआई से कहा कि बिहार का हर बेटा एक माँ के अपमान के लिए कांग्रेस को करारा जवाब देगा। हम इसका बदला लेंगे। वहीं, कांग्रेस कार्यकर्ता आशुतोष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की आलोचना करते हुए दावा किया कि यह झड़प सरकार की मिलीभगत से हुई है। आशुतोष ने कहा कि करारा जवाब दिया जाएगा। यह सरकार की मिलीभगत से हो रहा है। नीतीश कुमार गलत कर रहे हैं। इससे पहले आज, दरभंगा पुलिस ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपशब्द कहने के आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पटना में भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच हुई झड़प पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि बस यही बचा है इनका (भाजपा का) काम। सरकार में रहते हुए ये इस तरह के प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी लड़ाई मतदाताओं के लिए है। हम किसी भी सूरत में यह स्वीकार नहीं करेंगे कि गुजरात से लाकर यहां मतदाताओं का पंजीकरण किया जा रहा है और बिहार के मतदाताओं के नाम काटे जा रहे हैं। चुनाव आयोग और सरकार पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रही है।

संभल हिंसा पर सीएम योगी का कड़ा बयान, कहा- डेमोग्राफी बदलने की कोशिश करने वालों को खुद होगा पलायन

संभल (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा मामले की जांच रिपोर्ट के बाद अपने पहले बयान में साफ कर दिया कि उनकी सरकार किसी भी इलाके की जनसंख्या संरचना (डेमोग्राफी) को नहीं बदलने देगी। उन्होंने कहा कि जो भी ऐसा करने की कोशिश करेगा उसे खुद ही पलायन करना पड़ेगा। अब यह बयान यह दशार्ता है कि योगी सरकार इस मामले को लेकर कितनी गंभीर है और प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ा रुख अपना रही है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर योगी का आरोप सीएम योगी ने प्रतापगढ़ में एक कार्यक्रम दौरान समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारें जानबूझकर चुन-चुन कर हिंदुओं को निशाना बनाती थीं। उनके शासनकाल में दंगे कराए जाते थे और इलाके ऐसे बनाए जाते थे जहां हिंदू कम हो जाते थे यानी 'हिंदू विहीन' इलाका बन जाता था। योगी ने आरोप लगाया कि यह सब डेमोग्राफी को बदलने की एक साजिश थी ताकि हिंदुओं का प्रभाव कम हो सके। बता दें सीएम योगी आदित्यनाथ हाल ही में प्रतापगढ़ पहुंचे, जहां उनका भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। हेलीकॉप्टर से पुलिस लाइन में उतरने के बाद उन्होंने सबसे पहले मावला देवी धाम में पूजा-अर्चना की। उसके

बाद जीआईसी मैदान में एक बड़ी जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला और अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान किया। डबल इंजन सरकार का संकल्प योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में 'डबल इंजन' की सरकार है। यह सरकार किसी भी कीमत पर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा मामले की जांच रिपोर्ट के बाद अपने पहले बयान में साफ कर दिया कि उनकी सरकार किसी भी इलाके की जनसंख्या संरचना (डेमोग्राफी) को नहीं बदलने देगी। उन्होंने कहा कि जो भी ऐसा करने की कोशिश करेगा उसे...

की जनसांख्यिकी को बदलने नहीं देगी। उन्होंने साफ किया कि अब कोई भी ऐसा करने की कोशिश करेगा तो उसे प्रदेश या जिले से पलायन करना पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि योगी सरकार ने इस मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस का निर्णय लिया है। सीएम ने यह भी कहा कि अब शासन बिना किसी भेदभाव के चलता है। अब तुष्टिकरण की राजनीति नहीं बल्कि संतुष्टीकरण के जरिए सभी नागरिकों को सशक्त बनाने की नीति पर काम किया जा रहा है। प्रतापगढ़ को मिली बड़ी सौगातें सीएम योगी ने प्रतापगढ़ को करीब 550 करोड़ रुपए की 116 नई परियोजनाओं की घोषणा की। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को मकानों की चाबियां सौंपी गईं। छात्र सम्मान में सीएम ने कई विद्यार्थियों को लैपटॉप भी वितरित किए। यही नहीं योजना के तहत लाभार्थियों को 25-25 हजार रुपए के ऋण चेक भी दिए गए, जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार हो सकेगा। यह सब योगी सरकार की जनता को सीधे लाभ पहुंचाने की नीति को दशार्ता है। कानून व्यवस्था और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया सीएम योगी का यह बयान और उनके द्वारा लिए गए कदम कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सामाजिक सद्भाव कायम करने की कोशिशों का हिस्सा हैं। संभल हिंसा जैसी घटनाओं को दोबारा न होने देने के लिए सरकार पूरी तरह सजग है। उन्होंने यह भी जोर दिया कि उत्तर प्रदेश में सभी नागरिकों को बराबर का अधिकार मिलेगा और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाएगा। यह सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है।

संपादकीय

पीड़ादायक कारावास

सुप्रीम कोर्ट ने आपराधिक मुकदमे को बेवजह लंबा खींचने को पीड़ादायक बताते हुए इसे मानसिक कारावास के समान कहा। भ्रष्टाचार के मामले में सजा को घटा कर जेल में बिताई अवधि तक सीमित कर दिया। दोषसिद्धि की पुष्टि करते हुए पीठ ने मूल जुमार्ने की राशि बढ़ा कर पच्चीस हजार रुपये अधिक कर दी। बाइस साल पहले तीन सौ रुपये रिश्वत मांगने वाली यह महिला 75 वर्ष की हो चुकी है जो केंद्रीय उत्पाद शुल्क में निरीक्षक के पद पर कार्यरत थी। उसे सितम्बर, 2002 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया था और निचली अदालत ने एक वर्ष के कारावास की सजा दी थी। 2010 में फैसले के खिलाफ मद्रास हाई कोर्ट में उसने अपील की। वहां भी आदेश की पुष्टि के उपरांत दोषी शीर्ष अदालत आई। शीर्ष अदालत में सत्तासी हजार से अधिक मामले लंबित बताए जा रहे हैं। जिला व अधीनस्थ अदालतों में सत्तानबे लाख से अधिक मामले लंबित हैं। लंबित मुकदमों को यथा शीघ्र निपटाने की हिदायतों के बावजूद आरोपी सालों से न्याय के इंतजार में जेलों में बंद हैं जिसके चलते जेलों की हालत भी बेहद खराब है। बेशक, अदालती कार्रवाई में संसाधनों की कमी, जजों की नियुक्ति समेत तमाम दिक्कतें मुंह बाये खड़ी हैं, जिनका निपटान होता नहीं नजर आ रहा। दोषसिद्धि होने से पूर्व हजारों कैदी इस मानसिक पीड़ा से गुजरते हैं। उस पर भी आरोप सिद्ध न होने या पर्याप्त सबूतों के अभाव में रिहा होने पर भी उनकी इस मानसिक दुर्दशा के प्रति किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाता। बार-बार चर्चा होती है कि दुदृांत अपराधियों या जालसाजों के अतिरिक्त दोषसिद्धि से पहले कैद में रखने का कोई औचित्य नहीं है। अव्वल तो पेचीदा न हो तो मामलों का निपटान फौरी तौर पर होने की व्यवस्था होनी चाहिए। बिला-वजह मामलों को लंबित रखना पीड़ित और आरोपी, दोनों को मानसिक कारावास के तौर पर पीड़ा देने वाला ही नहीं होता, बल्कि अर्थव्यवस्था और शासन के लिए भी अहितकर साबित होता है। यह मौलिक अधिकारों का भी हरण है। न्याय प्राप्ति में देरी को अन्याय से मुक्त नहीं कहा जा सकता। लंबित वाद दोनों ही पक्षों के लिए मानसिक कारावास सिद्ध होता है। ढेरों मामलों में सजापूर्व कैदी को इस मानसिक कारावास के चलते गहन तनाव झेलना पड़ता है, जिस पर गौर किए जाने की जरूरत है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देंखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें।

कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना।

लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत में परिवार और नातेदारीः बदलता परिदृश्य

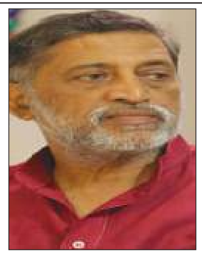

देवेंद्र कुमार बुड़ाकोटी

स्वतंत्रता के बाद से भारतीय समाज महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों से गुजर रहा है और एक गहन परिवर्तन से गुजर रहा है–जो पश्चिमी आदर्शों, जीवन शैली और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। वैश्वीकरण ने जहाँ भारत के लिए नए अवसरों और विश्वदृष्टिकोणों के द्वार खोले हैं, वहीं इसने पारंपरिक मूल्यों में, विशेष रूप से पारिवारिक संरचना, रिश्तों, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक एकता के संदर्भ में, एक उल्लेखनीय बदलाव भी लाया है। कई वर्षों से, मध्यम वर्गीय परिवारों में, खाना पकाना, बर्तन साफ करना, कपड़े धोना, घर में झाड़ू-पोछा लगाना, घर और बाहर की सफाई करना और घर का काम करना, रोजगार माना जाता रहा है और इस काम को करने वाले व्यक्ति को नौकर या नौकरानी कहा जाता है, इसलिए इन कामों को निम्न वर्ग का काम माना जाता है और नई पीढ़ी को इस काम में कोई रुचि नहीं है। पारिवारिक संरचना में इस सामाजिक परिवर्तन ने क्या रूप धारण किया है और नई पीढ़ी के परिवार का स्वरूप कैसा होगा और भविष्य के बच्चों का पालन-पोषण कैसे होगा और इसके क्या परिणाम होंगे?

संयुक्त राज्य अमेरिका और पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में पारिवारिक संरचना में भारी गिरावट आ रही है। पिता, माता, भाई, बहन और दूर के रिश्तेदारों की कभी स्पष्ट भूमिकाएँ अब धुंधली होती जा रही हैं–कौन बाप, कौन माँ, कौन भाई, कौन बहन, कौन रिश्तेदार, यह बताना अब अक्सर मुश्किल हो जाता है। इस संदर्भ में, सामाजिक सीमाओं के बदलने और विस्तार के साथ, सेक्स, कामुकता और यहाँ तक कि अनाचार की अवधारणाएँ भी लचीली हो गई हैं।

पश्चिम में इसके परिणाम पहले से ही दिखाई दे रहे हैंः नशीली दवाओं का बढ़ता उपयोग (कानूनी और गैरकानूनी दोनों, कभी-कभी चिकित्सा या मनोरंजन की आड़ में भी), टूटे हुए परिवारों का प्रसार, बेघर होना, किशोरावस्था में गर्भधारण, अविवाहित और एकल माताओं की संख्या में वृद्धि, तलाक आम बात हो जाना, और वृद्धाश्रमों में रहने वाले वृद्धजनों का सामान्य होना। सामाजिक समस्याओं और उनसे जुड़ी कानून-व्यवस्था की चुनौतियों में उल्लेखनीय वृद्धि राज्य के लिए नियमित घटनाएँ हैं। इस विखंडन के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव गहराते जा रहे हैं, जो एक गहन सामाजिक परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं–ऐसा परिवर्तन जो पश्चिमी समाजों द्वारा गंभीर चिंतन और संवाद की माँग करता है।

भारत में हम एक गहन परिवर्तन देख रहे हैं–जो पश्चिमी आदर्शों, जीवन-शैली और सामाजिक-सांस्कृतिक मानदंडों के बढ़ते प्रभाव को दशार्ता है। वैश्वीकरण ने जहाँ भारत के लिए नए अवसरों और विश्वदृष्टिकोणों के द्वार खोले हैं, वहीं इसने पारंपरिक मूल्यों, विशेष रूप से पारिवारिक संरचना, रिश्तों, व्यक्तिगत पहचान और सामाजिक सामंजस्य के संदर्भ में, में भी उल्लेखनीय बदलाव लाए हैं। बाहर विवाह, जाति, समुदाय और जातीयता, रिश्तेदारी के समीकरण को बदल रहे हैं।

नौकरी की गतिशीलता, शहरी प्रवास और व्यक्तिगत आकांक्षाओं में वृद्धि के कारण, विशेष रूप से शहरी भारत में एकल परिवारों का उदय तेज हुआ है। इस बदलाव ने परिवारों में दादा-दादी की कमी को बढ़ावा दिया है–जिससे पीढ़ियों के बीच के बंधन और सांस्कृतिक मूल्यों का संचरण कमजोर हो रहा है।

भारत में लिव-इन रिलेशनशिप, विलंबित विवाह और कुछ मामलों में, स्वैच्छिक एकल जीवन का भी उदय हो रहा है। जहाँ अब कई लोग लैंगिक भूमिकाओं, रिश्तेदारी संबंधों और पारंपरिक ज़िम्मेदारियों पर सवाल उठा रहे हैं, वहीं परिवार की भावनात्मक डोर कमजोर होती जा रही है। रिश्तेदारी, जो कभी रक्त और परंपरा से परिभाषित होती थी, अब व्यक्तिगत पसंद और पहचान से आकार ले रही है।

ये बदलाव, हालांकि कई मायनों में प्रगतिशील हैं, अपने साथ एक चुनौती भी लेकर आते हैंः पारंपरिक पारिवारिक भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों का अस्थिर होना, जिससे सामाजिक परिवेश और भी विखंडित हो रहा है।

पश्चिमी दुनिया के अधिकांश हिस्सों में, पारिवारिक संरचना के क्षरण के साथ-साथ तलाक की दर, किशोरावस्था में गर्भधारण, एकल मातृत्व और बेघर होने की दर में भी नाटकीय वृद्धि हुई है। विवाहेतर संबंधों से पैदा हुए बच्चों को सामान्य मानने और घटती विवाह दर के कारण परिवार भावनात्मक रूप से अस्थिर और आर्थिक रूप से कमजोर हो गए हैं। सामाजिक दरारें अब बढ़ती मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं, हिंसक अपराधों और सामुदायिक बंधनों के कमजोर होने के रूप में दिखाई दे रही हैं। एक रूपक के रूप में कहें तो, ठ ीं अस्त्री अब पश्चिम में परिवार, विवाह और रिश्तेदारी की पारंपरिक नींव के प्रति बहुत कम सम्मान के साथ मौजूद है। और फिर भी, भारत भी इसी राह पर चलता दिख रहा है, शायद इसके परिणामों को पूरी तरह से स्वीकार किए बिना।

आज के युवाओं में विदेश में शिक्षा प्राप्त करने, विवाह में देरी करने या उसे अस्वीकार करने, या बच्चे पैदा न करने का विकल्प चुनने की संभावना अधिक है। ये निर्णय स्वायत्तता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को दशार्ते हैं, लेकिन समुदाय और पारिवारिक संबंधों से अलगाव को भी बढ़ावा देते हैं।

परिवार का विघटन, व्यक्तिवाद का उदय, उपभोक्तावाद का अतिरेक, तथा सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण, समय के साथ उस सामाजिक ताने-बाने को कमजोर कर सकता है जिसने ऐतिहासिक रूप से भारतीय समाज को एक सूत्र में बांधे रखा है। भारत अपनी आधारभूत सामाजिक संरचनाओं को नष्ट किए बिना लैंगिक समानता, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नवाचार जैसे आधुनिक मूल्यों को अपना सकता है। इसकी कुंजी चयनात्मक आत्मसातीकरण में निहित है–अपनी पारंपरिक प्रणालियों की खूबियों को बरकरार रखते हुए, पुरानी या अन्यायपूर्ण व्यवस्थाओं में सुधार लाना। शहरी भारतीय मध्यम वर्ग भले ही यह मानता हो कि भारतीय समाज तेजी से पश्चिमी पारिवारिक ढाँचे की ओर बढ़ रहा है, लेकिन हमारा विशाल ग्रामीण समाज अपने सांस्कृतिक लोकाचार में निहित है और यहीं भारत का निवास है।

ज्योतिष : प्राचीव विद्या की गरिमा पर खतरा

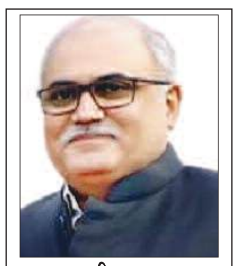

रजनीश कपूर

आज के डिजिटल युग में, जहां सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने सूचना के प्रसार को अभूतपूर्व गति दी है, ज्योतिष विद्या भी डिजिटल क्रांति का हिस्सा बन गई है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर ज्योतिष से संबंधित वीडियो की बाढ़ सी आ गई है। इनमें से कई वीडियो दावा करते हैं कि वे 'त्वरित सफलता' के मंत्र, उपाय या टोटके प्रदान करते हैं, जो कुछ ही दिनों में जीवन की समस्याओं को हल कर सकते हैं। पारंपरिक और अनुभवी ज्योतिषी, जो जन्म कुंडली के गहन विश्लेषण के बाद ही उपाय सुझाते हैं, की विश्वसनीयता की तुलना में ये तथाकथित 'त्वरित उपाय' कितने प्रभावी हैं?

सोशल मीडिया पर उपलब्ध ज्योतिषीय वीडियो में अक्सर आकर्षक शीर्षक देखने को मिलते हैं-'तीन दिन में धन प्राप्ति का चमत्कारी उपाय' या ह्यइस मंत्र से बदल जाएगी आपकी किस्मत।' ये वीडियो आम तौर पर छोटे, तेजी से संपादित और मनोरंजक होते हैं, जो दर्शकों का ध्यान तुरंत खींचते हैं। इनमें बताए गए उपाय सरल और त्वरित लगते हैं, जैसे किसी विशेष रंग का धागा बांधना, कोई मंत्र जपना, या किसी वस्तु को घर में रखना। वृंदावन में कई वर्षों से ज्योतिष विद्या कर रहे सुप्रसिद्ध आचार्य राजेश पांडे के अनुसार, 'इन उपायों का कोई वैदिक या ज्योतिषीय आधार नहीं होता। ज्योतिष जटिल विद्या है, जिसमें ग्रहों, नक्षत्रों और कुंडली के बारह भावों का गहन अध्ययन शामिल होता है। किसी व्यक्ति की जन्म कुंड़ली का विश्लेषण किए बिना सामान्य उपाय देना न केवल गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि लोगों को गलत दिशा में ले जा सकता है।' आचार्य पांडे कहते हैं, 'ऐसे वीडियो का उद्देश्य अक्सर दर्शकों की भावनाओं को भुनाना होता है। कम समय में ज्योतिष विद्या कभी नहीं सीखी जा सकती।' विशेषज्ञों के अनुसार, प्रामाणिक और अनुभवी ज्योतिषी किसी भी उपाय को सुझाने से जन्म कुंडली का गहन अध्ययन करते हैं। ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक व्यक्ति की कुंडली अलग होती है, जो उनके जन्म के समय ग्रहों की स्थिति पर आधारित होती है। कुंडली में ग्रहों के गोचर, दशा, अंतर्दशा और विभिन्न योगों का विश्लेषण करके ही तय किया जाता है कि व्यक्ति को किस प्रकार के उपाय की आवश्यकता है। किसी व्यक्ति की कुंडली में शनि की साढ़े साती चल रही है, तो ज्योतिषी विशिष्ट मंत्र, दान, या पूजा की सलाह दे सकते हैं, जो उसकी स्थिति के लिए उपयुक्त हो। यह प्रक्रिया समय लेने वाली और जटिल होती है, लेकिन अधिक विश्वसनीय और प्रभावी होती है। यह विचारणीय है कि क्या त्वरित सफलता के मंत्र देने वाले वीडियो केवल लोकप्रियता बढ़ाने का हथकंडा हैं। सोशल मीडिया पर व्यूज, लाइक्स और सब्सक्राइबर्स की संख्या सीधे तौर पर आय से जुड़ी होती है। इसलिए, कई अनुभवहीन या स्वयंभू ज्योतिषी आकर्षक और सनसनीखेज सामग्री बना कर दर्शकों को लुभाने की कोशिश करते हैं। वे जटिल ज्योतिषीय सिद्धांतों को सरल और त्वरित समाधानों में बदल देते हैंङ्क जो वास्तव में ज्योतिष शास्त्र की गहराई को कमजोर करते हैं। आचार्य पांडे के अनुसार, 'कुछ लोग सतही जानकारी के आधार पर वीडियो बनाते हैं, जो किताबों, इंटरनेट, या अन्य स्त्रोतों से ली गई होती हैं। कई स्वयंभू ज्योतिषियों के पास न तो औपचारिक प्रशिक्षण होता है, और न ही गहन अनुभव। फिर भी, वे अपने आत्मविश्वास, आकर्षक प्रस्तुति और मार्केटिंग रणनीतियों के दम पर लाखों दर्शकों तक पहुंच जाते हैं। यह न केवल ज्योतिष की विश्वसनीयता को कम करता है, बल्कि उन लोगों को भी निराश करता है, जो इन उपायों पर भरोसा करते हैं।' ज्योतिष प्राचीन और सम्मानित विद्या है, जिसका उपयोग सदियों से लोगों के मार्गदर्शन के लिए किया जाता रहा है, लेकिन इस तरह के भ्रामक वीडियो इसकी साख को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब लोग इन तथाकथित उपायों को आजमाते हैं, और उन्हें कोई लाभ नहीं मिलता, तो वे न केवल उन वीडियो पर विश्वास खो देते हैं, बल्कि ज्योतिष शास्त्र पर ही सवाल उठाने लगाते हैं।

यह उन अनुभवी ज्योतिषियों के लिए भी चुनौती बनता है, जो वषाड्ढ के अध्ययन और अभ्यास के बाद लोगों की मदद करते हैं। अंत में, कहना गलत नहीं होगा कि

त्वरित सफलता के मंत्र देने वाले ज्योतिषीय वीडियो अधिकांशतः भ्रामक और लोकप्रियता के लिए बनाए जाते हैं। लोगों की भावनाओं और आशाओं का शोषण करते हैं, वो भी बिना किसी ठोस आधार के। दूसरी ओर, प्रामाणिक ज्योतिषी, जो कुंडली के गहन विश्लेषण के बाद उपाय सुझाते हैं, अधिक विश्वसनीय और प्रभावी होते हैं। ज्योतिष विज्ञान और कला का मिश्रण है, जो तभी प्रभावी होता है, जब इसे गंभीरता और जिम्मेदारी से अपनाया जाए। त्वरित सफलता का लालच छोड़कर हमें धैर्य और समझदारी के साथ सही मार्गदर्शन की तलाश करनी चाहिए। तभी हम ज्योतिष के वास्तविक लाभों को प्राप्त कर सकते हैं, और इस प्राचीन विद्या की गरिमा को बनाए रख सकते हैं। (लेख में विचार निजी हैं)

भारत-जापान ने दुनिया को दिया स्पष्ट संदेश- एकध्रुवीय दबाव की राजनीति अब टिकाऊ नहीं रही

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक कूटनीतिक पड़ाव भर नहीं है। यह यात्रा उस ऐतिहासिक मोड़ का संकेत है जहाँ भारत और जापान मिलकर एशिया ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक परिदृश्य को प्रभावित करने वाले साझेदार के रूप में उभर रहे हैं। टोक्यो में भारत-जापान आर्थिक मंच पर प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपने आर्थिक, सामरिक और भू-राजनीतिक विकल्पों को लेकर कहीं अधिक आत्मविश्वासी और निर्णायक हो चुका है।

देखा जाये तो अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत तक के टैरिफ ने भारत के कई क्षेत्रों पर दबाव डाला है। किन्तु, टोक्यो में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने यह दिखा दिया कि भारत अब वैश्विक दबाव से भयभीत नहीं, बल्कि अवसर तलाशने वाला देश है। मोदी ने बिना नाम लिए यह संदेश अमेरिका को दिया कि भारत किसी एक बाजार या शक्ति पर निर्भर नहीं रहेगा। जापान में दिया गया यह भाषण वस्तुतः आर्थिक स्वायत्तता का घोषणापत्र था। सुधार, पारदर्शिता, राजनीतिक स्थिरता और नीति की प्रेडिक्टेबिलिटी पर बल देकर मोदी ने निवेशकों को यह विश्वास दिलाया कि भारत उनके लिए न केवल सुरक्षित, बल्कि लाभकारी गंतव्य है।

हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका इन दिनों अपने आर्थिक और सामरिक हितों के लिए लगभग हर देश पर दबाव बनाने की नीति पर चल रहा है। कभी वह 50% तक का टैरिफ लगाकर व्यापार को नियंत्रित करता है, तो कभी तकनीकी निर्यात और डॉलर प्रणाली के माध्यम से देशों को अपनी शर्तें मानने पर मजबूर करता है। यह नीति भले ही अमेरिका को अल्पकालिक लाभ दे, लेकिन लंबे समय में यह वैश्विक असंतोष और नए गठबंधनों को जन्म दे रही है। देखा जाये तो 21वीं सदी का एशिया अब केवल 'बाजार' नहीं रह गया है। चीन के बढ़ते प्रभाव, भारत के उदय और जापान की तकनीकी ताकत ने अमेरिका की एकतरफा दबाव नीति को चुनौती दी है। एशिया की यह नई तस्वीर इस सदी को सचमुच 'एशियाई सदी' बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

भारत और जापान के बीच साझेदारी अमेरिकी दबाव का सबसे ठोस जवाब है। जापान की तकनीक और भारत का विशाल बाजार मिलकर वैकल्पिक सप्लाई चेन खड़ा कर सकते हैं। सेमीकंडक्टर, एआई, क्वांटम और न्यूक्लियर ऊर्जा में संयुक्त पहल अमेरिका की तकनीकी पकड़ को संतुलित कर सकती है। इसके अलावा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में यह साझेदारी चीन और अमेरिका दोनों के वर्चस्ववादी रुख को संतुलित करेगी।

भारत-जापान का सहयोग दुनिया को यह स्पष्ट संदेश देता है कि एकध्रुवीय दबाव की राजनीति अब टिकाऊ नहीं रही। एशियाई सहयोग ही वैश्विक स्थिरता का आधार बनेगा। साथ ही साझेदारी और सह-समृद्धि का मॉडल, दबाव और एकाधिकार से कहीं अधिक व्यवहार्य है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका जितना दबाव बढ़ाएगा, भारत और जापान जैसे साझेदार उतनी ही मजबूती से वैकल्पिक गठजोड़ खड़े करेंगे। इस साझेदारी में केवल द्विपक्षीय हित ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक संदेश छिपा है–भविष्य दबाव और एकाधिकार का नहीं, बल्कि सहयोग और साझा समृद्धि का है।

भारत-जापान संबंधों की मजबूती की बात करें तो आपको बता दें कि 'जापान टेक्नोलॉजी पावरहाउस है और भारत टैलेंट पावरहाउस' है, यह कह कर प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच भविष्य की साझेदारी का खाका पेश कर दिया है। देखा जाये तो ऑटोमोबाइल सेक्टर में जिस प्रकार जापानी तकनीक और भारतीय बाजार ने सफलता का मॉडल पेश किया, वैसी ही संभावनाएँ अब सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, बैटरियों, शिपबिल्डिंग और न्यूक्लियर ऊर्जा में हैं। भारत की विशाल युवा शक्ति और जापान की अनुसंधान क्षमता मिलकर 21वीं सदी की तकनीकी क्रांति को दिशा दे सकती है। यही वह आधार है जिस पर 'एशियाई सदी' की बहुप्रतीक्षित इमारत खड़ी हो सकती है।

वैश्विक साउथ और एशिया की भूमिका

मोदी का यह वक्तव्य कि 'भारत, जापानी कारोबार के लिए ग्लोबल साउथ का स्प्रिंगबोर्ड है' केवल कूटनीतिक विनम्रता नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीति का भी संकेत है। चीन के बढ़ते प्रभाव और अमेरिका के संरक्षणवादी रुख के बीच भारत-जापान साझेदारी विकासशील देशों के लिए एक नया विकल्प है। इसके अलावा, अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में भारत की स्वीकृति और जापान की पूंजी मिलकर वह शक्ति-संतुलन तैयार कर सकते हैं, जिसकी आज दुनिया को आवश्यकता है। यह साझेदारी चीन के ह्लबेल्ट एंड रोड इनिशिएटिवह्व के विकल्प के रूप में भी देखी जा सकती है।

भारत की वैश्विक छवि : एक विश्वसनीय ध्रुव

मोदी ने अपने भाषण में भारत की आर्थिक उपलब्धियों को गिनाते हुए बताया कि 18% वैश्विक वृद्धि में योगदान, 700 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार, कम महँगाई, कम ब्याज दरें और मजबूत बैंकिंग प्रणाली, ये आंकड़े केवल सांख्यिकी नहीं हैं; यह उस विश्वसनीयता का प्रमाण हैं, जो आज भारत को निवेशकों की पहली पसंद बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिम के अनेक देशों में जहाँ अस्थिरता और मंदी का माहौल है, वहीं भारत एक स्थिर, पारदर्शी और ऊजार्वान अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है।

अमेरिका और चीन को संदेश

इस यात्रा के राजनीतिक संदेश को अनदेखा नहीं किया जा सकता। अमेरिका के लिए संदेश यह था कि भारत केवल दबाव झेलने वाला बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारों के साथ स्वतंत्र रणनीति बनाने वाला राष्ट्र है। चीन के लिए संदेश यह था कि एशिया में अकेले उसकी दावेदारी नहीं है। जापान और भारत मिलकर एक वैकल्पिक ध्रुव बना सकते हैं, जो 'एशियाई सदी' को बहुध्रुवीय बनाएगा।

देखा जाये तो भारत-जापान संबंधों में यह नया अध्याय केवल निवेश या कारोबार तक सीमित नहीं है। यह एक रणनीतिक दृष्टि का हिस्सा है, जहाँ दोनों देश एशिया और विश्व के भविष्य को परिभाषित करने की भूमिका निभा सकते हैं। मोदी की यह यात्रा ऐतिहासिक इसलिए है क्योंकि इसमें आर्थिक सहयोग को रणनीतिक साझेदारी का रूप दिया गया, अमेरिकी दबाव के बीच भारत की आत्मनिर्भरता का संदेश दिया गया और यह संकेत भी दिया गया कि आने वाली सदी केवल पश्चिम की नहीं, बल्कि एशिया की भी होगी। प्रधानमंत्री मोदी का यह जापान दौरा उस बड़े बदलाव का प्रतीक है, जिसमें भारत अब विश्व व्यवस्था का 'पार्टिसिपेंट' नहीं, बल्कि 'शेपिंग पावर' बनता जा रहा है।

राज्यमंत्री ने किया राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशन एवं जिला खेल प्रशासन अमरोहा के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के पावन अवसर पर स्पोर्ट्स स्टेडियम माली खेड़ा अमरोहा में तीन दिवसीय वृहद खेल कार्यक्रम के अन्तर्गत खेल कूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन, के०पी० मलिक ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। राज्यमंत्री ने खिलाड़ियों सहित उपस्थित सभी को फिट इंडिया की शपथ दिलाई, मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण किया और पुष्प अर्पित किए। इसके साथ उन्होंने खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण किए और मंगल दल के युवक और युवतियों को खेल किट वितरित की। इसके साथ मुख्य अतिथि सहित अन्यों के द्वारा पौधरोपण भी किया गया। राज्यमंत्री केपी मालिक ने मेजर ध्यानचंद जी को नमन करते हुए कहा कि उन्होंने भारत को विश्व पटल पर पहचान दिलाई। कहा कि हमारी सरकार खिलाड़ियों को सम्मान देने का कार्य कर रही है। उनको आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए नौकरियां भी दे रही हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खेल और खिलाड़ियों को नई पहचान मिली है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खूब लगन और मेहनत करें और प्रदेश और देश का नाम विश्व पटल पर रोशन करें। सांसद कंवर सिंह तंवर ने खिलाड़ियों को खूब लगन से पढ़ने और खेलने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा खेलने से सेहत अच्छी रहती है, सेहत अच्छी रहेगी तो आप देश को आगे बढ़ाने में योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार खेलो इंडिया के तहत खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है। कहा जब एक खिलाड़ी कामयाब होता है तो उसके मां- बाप , गांव और देश का नाम होता है। विधायक महेन्द्र सिंह खडगवंशी ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि कठिन परिश्रम और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। उन्होंने कहा सरकार द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जो फिट इंडिया की शपथ दिलाई गई है, उससे ऊर्जा लेकर मेहनत करें और प्रदेश का नाम ऊंचाइयों पर ले जाएं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहित करने की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि सरकार द्वारा खेल के लिए संचालित योजनाओं का लाभ उठाएं। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से मेजर ध्यानचंद जी की विशेषताएं आत्मसात करने के साथ उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने को कहा। इस अवसर पर सांसद कंवर सिंह तंवर, विधायक महेन्द्र सिंह खडगवंशी , भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरि गोस्वामी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स, पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र उपस्थित रहे। हाकी प्रतियोगिता में जनपद अमरोहा आठ टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का प्रथम सेमीफाइनल मैच नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर और स्पोर्ट्स स्टेडियम माली खेड़ा के बीच हुआ जिसमें नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर अमरोहा ने 03-00 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल मैच राजकीय इण्टर कॉलेज अमरोहा और मानव रचना इण्टर कॉलेज पेली के बीच हुआ जिसमें राजकीय इण्टर कॉलेज अमरोहा ने 02-01 मैच जीत कर फाइनल में जगह बनाई। राजकीय इण्टर कॉलेज अमरोहा ने रजबपुर की टीम को सडनडेथ में एक शून्य से हरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान नेहरू स्मारक इण्टर कॉलेज रजबपुर की टीम ने प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता में जनपद अमरोहा की आठ टीमों ने किया प्रतिभाग प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला ए एस एम खाता अमरोहा और मानव रचना इण्टर कॉलेज पेली के बीच खेला गया जिसमें एएस एम खाता ने 31-11 से हरा कर प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि मानव रचना इण्टर कॉलेज पेली ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को अमरोहा नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में , हाकी कोच फरहत अली खान, एथलेटिक्स कोच अमित कुमार, आंचल, डॉ 0 संजीव कुमार चौहान, मनीष कुमार त्यागी, अभिषेक चौधरी, अनुज शर्मा , हसनैन नबाज, शाहजेब तकी, चन्द्र मणि शर्मा , रनदीप सिंह, विकास गंगवार, कपिल कुमार, राजलक्ष्मी और नेहा चौधरी रही। प्रतियोगिता के अन्त में जिला क्रीड़ा अधिकारी देशकान्त त्यागी ने मुख्य अतिथि,समस्त अन्य विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों, टीम मैनेजर, टीम कोच, निर्णायक मण्डल और खिलाड़ियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कैलाश चंद्र त्यागी और हिमांशु त्यागी तहसील उपाध्यक्ष हसनपुर, भाजपा महामंत्री पूरन सिंह सैनी और अभिनव कौशिक सहित गणमान्य नागरिक, स्कूली बच्चे, भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

खैतान वर्ल्ड स्कूल में 'नमामि गंगे' परियोजना के तहत गंगा संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- खैतान वर्ल्ड स्कूल में भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत ब्लैंडेड कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर गंगा संरक्षण और जल संसाधनों के महत्व पर विद्यार्थियों और आमजन को जागरूक किया गया। बता दें कि कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया ।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉक्टर माहिया कलशुम एवं गुलनार फातिमा भारतीय लोक प्रशासन संस्थान ,डॉ सचिन चौधरी डीपीओ अमरोहा, नौभर सिंह सचिव जिला योग स्पोर्ट्स एसोसिएशन, जोगिंदर सिंह ऑब्जर्वर डीवाईएसए अमरोहा एवं विद्यालय के चेयरमैन सर्वेंद्र कुमार सम्मिलित रहे। इसके उपरांत विद्यालय की प्रधानाचार्य मानसी शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। विद्यालय के विद्यार्थियों ने गंगा संरक्षण पर केंद्रित नृत्य ,गीत क्विज प्रतियोगिता एवं तात्कालिक भाषण प्रस्तुत किए जिससे पर्यावरण एवं नदियों के महत्व का सार्थक संदेश प्रसारित होता दिखाई दिया। इस अवसर पर डॉक्टर माहिया कलसुम और गुलनार फातिमा ने गंगा संरक्षण पर विस्तृत प्रस्तुति दी वहीं डॉक्टर सचिन चौधरी डीपीओ अमरोहा ने नमामि गंगे परियोजना की दिशा उद्देश्यों और उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों द्वारा कविता पाठ और गंगा संरक्षण की शपथ के साथ हुआ सभी ने नदियों को सम्मान सुरक्षा एवं संरक्षण देने का संकल्प लिया । इस दौरान सामूहिक मंत्रोचारण का भी आवाहन किया गया। विद्यालय परिवार ने संदेश दिया कि गंगा ही नहीं बल्कि सभी नदियां हमारे धरोहर है और उनका संरक्षण प्रत्येक नागरिक का परम कर्तव्य है।

बछरायूं क्षेत्र में चलती बाइक पर स्टंट करते युवक का विडियो वायरल,पुलिस जांच में जुटी

धनौरा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- तहसील के बछरायूं थाना क्षेत्र में एक युवक का चलती बाइक पर खड़े होकर स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसके बाद पुलिस स्टंट करने वाले युवक की तलाश में जुटी है। बता दें कि बछरायूं थाना क्षेत्र में चलती बाइक पर खड़े होकर एक युवक द्वारा स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है इसके बाद क्षेत्रीय पुलिस हरकत में आई और वायरल वीडियो के आधार पर युवक की तलाश में जुटी है। बता दें कि इस तरह के स्टंट बाज लोग सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के लिए आए दिन ऐसे काम करते रहते हैं जिनको पुलिस की कार्यवाही का भी तनिक भी खौफ नहीं होता। जबकि इस तरह की वीडियो बनाने वाले लोगों पर पहले भी प्रशासनिक कार्यवाही की जा चुकी है, बावजूद इसके स्टंट बाजी के खेल थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। लोग सार्वजनिक सड़क पर इस तरह की स्टैंड बाजी कर अपने साथ-साथ दूसरों की सुरक्षा को भी जोखिम में डाल देते हैं। फिलहाल इस मामले में क्षेत्रीय पुलिस जांच कर रही है सर्किल सीओ अंजलि कटारिया ने बताया कि वायरल वीडियो की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी इस तरह के स्टंट न केवल कानून व्यवस्था का उल्लंघन करते हैं बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों के लिए भी खतरा उत्पन्न करते हैं ऐसी वीडियो से युवाओं में गलत संदेश जा सकता है।

शिक्षकों के हक की आवाजः मुकेश चौधरी की अगुवाई में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का संघर्ष

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री मुकेश चौधरी शिक्षकों के हक और अधिकारों के लिए एक मजबूत आवाज बने हुए हैं। उनकी अगुवाई में यह संगठन शिक्षकों के शोषण के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहा है। और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। शिक्षकों के हितों की रक्षा और उनके साथ होने वाले अन्याय को रोकने के लिए मुकेश चौधरी ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिससे वे शिक्षक समुदाय में एक सम्मानित और विश्वसनीय ईमानदार नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। मुकेश चौधरी का कहना है कि शिक्षक समाज का आधार हैं, जो बच्चों को शिक्षित कर देश का भविष्य बनाते हैं। इसके बावजूद, शिक्षकों को अक्सर उनकी मेहनत का उचित सम्मान और उनका हक ओर सुविधाएं नहीं मिलतीं। वेतन विसंगतियां, स्थानांतरण नीतियों में अनियमितताएं, कार्यस्थल पर असुविधाए और शिक्षकों को अनावश्यक कार्यों में लगाया जाता है। जैसे मुद्दों ने शिक्षकों के मनोबल को प्रभावित किया है। मुकेश चौधरी ने इन समस्याओं को गंभीरता से लिया और उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के मंच के माध्यम से इनके खिलाफ आवाज बुलंद की। हाल ही में अमरोहा जिले में शिक्षकों के हितों को लेकर कई महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें मुकेश चौधरी ने सक्रिय भूमिका निभाई। इन बैठकों में शिक्षकों की मांगों, जैसे समय पर वेतन भुगतान, पेंशन सुविधाओं में सुधार, और कार्यस्थल पर बेहतर संसाधनों की उपलब्धता, को प्रमुखता से उठाया गया। चौधरी ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों के साथ किसी भी प्रकार का शोषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से मांग की है कि शिक्षकों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए, अन्यथा संघ आंदोलन करने के लिए तैयार है। मुकेश चौधरी ने शिक्षकों को संगठित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने जिले के विभिन्न स्कूलों में जाकर शिक्षकों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को समझा। इसके अलावा, उन्होंने शिक्षकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों में शिक्षकों को उनके कानूनी अधिकारों, सरकारी योजनाओं, और संगठन के माध्यम से उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तहत मुकेश चौधरी ने न केवल स्थानीय स्तर पर, बल्कि राज्य स्तर पर भी शिक्षकों की मांगों को उठाने का प्रयास किया है। उन्होंने कई बार लखनऊ में संगठन के पदअधिकारियों और सरकार के प्रतिनिधियों के साथ वार्ता कीं, जहां उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को विस्तार से रखा। उनकी मेहनत का परिणाम यह रहा कि कुछ मामलों में शिक्षकों को राहत मिलती रहती है। मुकेश चौधरी का मानना है कि शिक्षकों का सम्मान और उनकी कार्यक्षमता देश के भविष्य को मजबूत करने के लिए आवश्यक है। वे कहते हैं, "शिक्षक समाज का रीढ़ हैं, और उनके साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक शिक्षकों को उनका हक और सम्मान नहीं मिलता।" अमरोहा के शिक्षक समुदाय में मुकेश चौधरी की सक्रियता और समर्पण ने उन्हें एक प्रेरणा स्त्रोत बना दिया है। उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ न केवल शिक्षकों की आवाज को बुलंद कर रहा है, बल्कि उनके लिए एक बेहतर भविष्य की नींव भी रख रहा है।

अमरोहा पुलिस की थाना साइबर क्राइम टीम द्वारा पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराये 60 हजार रुपए

अमरोहा (सब का सपना):- राजपाल गहलौत पुत्र जयपाल सिंह निवासी ग्राम बहादरपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा के द्वारा पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रस्तुत होकर प्रार्थना पत्र प्रेषित किया गया था कि वादी के खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधडी कर 60,000/- रुपयें ट्रांसफर/निकाल लिये थे । जिसके बाद पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा थाना साइबर क्राइम टीम जनपद अमरोहा को अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था । पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में तत्काल कार्यवाही करते हुये थाना साइबर क्राइम की टीम के द्वारा उक्त प्रकरण में आवेदक/वादी आवेदक राजपाल गहलौत पुत्र जयपाल सिंह निवासी ग्राम बहादरपुर थाना हसनपुर जनपद अमरोहा से धोखाधडी कर ट्रांसफर हुये कुल 60,000/- रुपयें पीडित के बैंक खाते में वापस कराये गये रुपएं वापस पाकर वादी ने खुशी का इजहार करते हुये पुलिस अधीक्षक कार्यालय आकर अमरोहा पुलिस को धन्यवाद कहा तथा पुलिस अधीक्षक व थाना साइबर क्राइम टीम की भूरि-भूरि प्रंशसा की । अमरोहा पुलिस ने आम जनमानस से अपील की है कि अपने खाते से सम्बंधित या अन्य ओ.टी.पी./ पासवर्ड आदि व्यक्तिगत/गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें तथा लुभावने ऑफर आदि को बिना जाँचे परखे किसी लिंक या एप्लीकेशन पर भुगतान न करें, यह ऑनलाइन धोखाधड़ी का तरीका हो सकता है । आप स्वयं जागरुक रहे तथा अपने आस-पास के अधिक से अधिक लोगों में यह जानकारी साझा करें जिससे किसी भी व्यक्ति के साथ धोखाधडी न हो सके ।

द प्रयास वर्ल्ड स्कूल में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरीः- नगर के प्रगतिशील विद्यालय द प्रयास वर्ल्ड स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम मेजर ध्यानचंद जी का स्मरण किया गया, तत्पश्चात टक-ऑफ-वार व खो -खो गेम्स का आयोजन किया गया। टक-ऑफ-वार में सीनियर बालक वर्ग में वायु हाउस ने प्रथम और पृथ्वी हाउस ने द्वितीय व अग्नि हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं सीनियर बालिका वर्ग में आकाश हाउस ने प्रथम,और पृथ्वी हाउस ने द्वितीय व अग्नि हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी श्रृंखला में प्राइमरी बालक वर्ग में पृथ्वी हाउस ने प्रथम, वायु हाउस ने द्वितीय व अग्नि हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बालिका वर्ग में वायु हाउस ने प्रथम,और अग्नि हाउस ने द्वितीय व आकाश हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 2 में खो-खो में बालिका वर्ग में अलजोहा, जैनब, अमायरा, माहिरा, जोया, शानशी, काव्या, अमानिया व बालक वर्ग में अब्दुल रहमान, माधव, दीपांशु, देवांश, विवान, असद, अब्दुल नवाज, रुद्रांश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं व लाखों की तादाद में लोग उपस्थित रहे।

ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल में गणेश उत्सव का तृतीय दिवस भव्य रूप से सम्पन्न

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना) जावेद चौधरी :- ओ.पी.एस. इंटरनेशनल स्कूल में चल रहे गणेश उत्सव का तीसरा दिन बड़े हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। विद्यालय प्रांगण को रंग-बिरंगी सजावट, पुष्पमालाओं और दीपों से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और उल्लासपूर्ण प्रतीत हो रहा था। इस अवसर पर विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें राम प्रकाश गर्ग, अध्यक्ष श्री रामलीला प्रबंधन समिति, सुबोध सिंघल, प्रांतीय संगठन मंत्री उत्तर प्रदेश व्यापारी सुरक्षा फोर्स, शिवांक सिंघल, अधिवक्ता दिल्ली हाईकोर्ट, कन्हैया बंसल, सचिव व्यापारी सुरक्षा फोर्स तथा संजीव सिंघल, निदेशक श्री रामलीला प्रबंधन समिति मुख्य अतिथि के रूप में पधारे। इन सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से गणपति बप्पा की आरती की और मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। विद्यालय के सेक्रेट्री डॉ. पराग पंडित ने सभी अतिथियों को भेंट देकर सम्मानित किया और उनके आगमन हेतु हार्दिक आभार व्यक्त किया। आरती के उपरांत विद्यालय प्रांगण गणपति बप्पा मोरयाह्व के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान हो उठा और उपस्थित विद्यार्थियों व अभिभावकों को महाप्रसाद वितरित किया गया। विद्यालय में प्रतिदिन आयोजित हो रहे इस उत्सव से बच्चों में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक मूल्यों का विकास हो रहा है। विद्यालय की डायरेक्टर डॉ. पुनम पंडित ने अपने संबोधन में कहा कि गणेश उत्सव केवल उल्लास और उत्साह का पर्व ही नहीं, बल्कि यह हमें एकता, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता इस उत्सव को और अधिक भव्य बना रही है ! मुख्य अतिथि रामप्रकाश गर्ग ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि गणेश उत्सव हमें सदैव सत्य, ज्ञान और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी शिक्षा के साथ-साथ चरित्र निर्माण पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि यही उनके भविष्य की सबसे बड़ी पूँजी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि गणपति बप्पा विघ्नहर्ता हैं और यदि हम मन से परिश्रम करें तो जीवन की हर कठिनाई सरल हो जाती है। कार्यक्रम का समापन भक्तिमय गीतों, बच्चों की प्रस्तुतियों और प्रसाद वितरण के साथ उल्लासपूर्ण वातावरण के बीच हुआ।

सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का शतप्रतिशत लाभ जनता को पहुंचाएं अधिकारी- मंत्री

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन, के0पी0मलिक की अध्यक्षता में सांसद अमरोहा कंवर सिंह तंवर, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़कवंशी, अध्यक्षा नगर पालिका परिषद अमरोहा शशि जैन की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्य की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम जिलाधिकारी , पुलिस अधीक्षक द्वारा मा0 जनप्रतिनिधियों को बुके देकर एवं शॉल भेंट कर स्वागत किया गया। प्रभारी मंत्री ने पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाए जा रहे विशिष्ट अतिथिगृह के बारे में जानकारी प्राप्त की और उन्होंने निर्देश दिए की विशिष्ट अतिगृह परिसर में वृक्षारोपण अवश्य किया जाये। इसी प्रकार उन्होंने अमरोहा कैलसा मार्ग से पाकबड़ा मार्ग का चौड़ीकरण कार्य और उझारी बुरावली मार्ग (अन्य जिला मार्ग-27) के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य की समीक्षा करते हुए सड़क के दोनों तरफ वृक्षारोपण करने के निर्देश प्रभागीय वन अधिकारी को दिए। प्रभारी मंत्री द्वारा जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम से कितने गांव में पानी की सप्लाई हो रही है, कितने शेष हैं और जो शेष हैं उनका कार्य कब तक पूर्ण हो जाएगा आदि की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा जनपद के जनप्रतिनिधियों के पास बहुत अधिक जल विभाग से संबंधित शिकायत आ रही हैं, इसलिए गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जल जीवन मिशन माननीय प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की प्रमुखता में से एक है। उन्होंने कहा कि जनपद के जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर उनके सुझाव लिए जाऐं और आगामी बैठक में जल जीवन मिशन से संबंधित कोई भी शिकायत प्राप्त न हो। प्रभारी मंत्री द्वारा विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए खराब ट्रांसफार्मर की बदलने की जानकारी और विद्युत की आपूर्ति आदि विभिन्न जानकारी ली और अधिक्षण अभियन्ता विद्युत को आवश्यक निर्देश दिए। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी से जनपद में संचालित गौशालाएं उनके टीकाकरण, सहभागिता योजना और नए गौशालाओं के निर्माण के चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मुख्य मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी प्राप्त की जनपद में कितने आयुष्मान कार्ड बन गए हैं कितने शेष हैं और जो पात्र व्यक्ति हैं जिसके आयुष्मान कार्ड नहीं बन गए हैं उनके कैंप लगाकर आयुष्मान कार्ड बनाए जाएं। उन्होंने टीबी मरीजों की संख्या पोषण पोटली का वितरण आदि की जानकारी लेकर निर्देश दिए की टीबी के मरीजों की संख्या बढ़नी नहीं चाहिये, इसलिए इस पर विशेष ध्यान दिया जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए जानकारी प्राप्त की की लक्ष्य के सापेक्ष कितने आवास बनाए गए हैं कितने आवेदित फॉर्म हैं कि जिनका वेरिफिकेशन

किया जा रहा है उन्होंने कहा कोई भी पात्र व्यक्ति आवास से ना छूटे। प्रधानमंत्र आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की भी जानकारी प्राप्त कर पीडीडीआरडीए को आवश्यक निर्देश दिए। डीसी मनरेगा के अंतर्गत समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद में मनरेगा के तहत बगद नदी एवं यगद नदी के पूर्नजीवित करने का कार्य किया जा रहा है और इसी प्रकार तालाबों पर अतिक्रमणों को हटाकर उनके पुनरोत्थान किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि नदियों के पुनरद्धार के लिए मुख्यमंत्री का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि ये कार्य आने वाले कल और भविष्य की जरूरत है। सहकारिता विभाग के समीक्षा करते हुए प्रभारी मंत्री को जानकारी दी गई की देयो एवं एनपीए से 99 प्रतिशत की वसूली कर ली गई है, और उन्होंने गोदाम की क्षमता की जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से संबंधित मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने प्रभारी मंत्री को जानकारी दी कि जनपद की दीदियों को लखपति बनाए जाने का कार्य किया जा रहा है और स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कार्य का संचालन उचित प्रकार किया जा रहा है उक्त से संबंधित अन्य योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा योजना, उर्वरकों की उपलब्धता, यूरिया की उपलब्धता की विस्तृत जानकारी उप निदेशक कृषि एवं जिला कृषि अधिकारी से लेकर निर्देश दिए की आपूर्ति से संबंधित कोई समस्या उत्पन्न न हो इस बात का विशेष ध्यान दिया जाए।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत राशन कार्ड की जानकारी राशन का वितरण आदि से संबंधित विभिन्न जानकारी प्राप्त कर जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए की विकास खण्डों में अपने स्टाफ के साथ बैठक कर यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी प्रकार की राशन वितरण में धांधली न हो, उसका लाभ पात्र व्यक्तियों को मिलें। प्रभारी मंत्री द्वारा कन्या सुमंगला योजना, खादी ग्राम उद्योग के अन्तर्गत माटीकला बोर्ड सहित अन्य योजनाओं, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पारिवारिक योजना, आदि से संबंधित निर्देश दिए कोई भी प्रकरण लंबित नहीं रहे और उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में कराएं जाए। पेंशन संबंधी योजनाओं में पारदर्शिता बरती जाए और पात्र को बिना किसी रुकावट के लाभ मिले।

उद्योग विभाग से चल रही विभिन्न योजनाओं के लिये ऋण वितरण के सम्बन्ध में पूर्ण जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के सम्बन्ध में प्रभारी मंत्री जी ने संबंधित को निर्देश दिए कि उक्त योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार किया जाए ताकि जनपद के युवाओं को अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर स्वरोजगार को अपना सकें। इसी प्रकार प्रभारी मंत्री द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रो के संचालन, पोषण भी पढ़ाई भी के अंतर्गत पूर्ण जानकारी, आईसीडीएस की समीक्षा की। जिला पंचायत राज विभाग के अंतर्गत संचालित पंचायत भवनों ,लाइब्रेरी, स्वच्छ भारत मिशन, मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना आदि की जानकारी ली इसी प्रकार शिक्षा विभाग के अंतर्गत ऑपरेशन कायाकल्प की जानकारी ली उन्होंने कहा कि जर्जर भवन में विद्यालय संचालित न किए जाएं।

प्रभारी मंत्री द्वारा जिलाधिकारी एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के कार्यों की प्रशंसा की और कहा कि जनपद के सांसद, विधायक सब यही चाहते हैं कि उनका जनपद प्रदेश में पहले नंबर पर आए और विभागीय अधिकारी भी यही चाहते हैं कि उनका विभाग प्रदेश में पहले नंबर पर आए इसलिए योजनाओं का क्रियान्वयन ठीक प्रकार से हो पात्र व्यक्ति को उनका लाभ प्राप्त करें। उन्होंने आशा व्यक्त की की आगामी बैठक में और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होने कहा कि आईजीआरएस, थाना दिवस, सम्पूर्ण समाधान दिवस, मुख्यमंत्री हेल्पलाईन आदि पर आने वाली शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण किया जाये। ये शासन की उच्च प्राथमिकता वाला कार्य है।

अन्त में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके द्वारा जो मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है उसा पूर्णता पालन किया जाएगा और सरकार की योजनाओं का संचालन एवं क्रियान्वयन बेहतर तरीके से किया जाएगा। आगामी बैठक में आपको और अच्छा परिणाम प्राप्त होगा और जो आपके द्वारा निर्देश दिए गए उनका पालन शत-प्रतिशत किया जाएगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), मुख्य चिकित्सा अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित अन्य सम्बंधितअधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला कृषि अधिकारी ने गन्ने की फसल को कीड़ों से बचने के लिए दिए सुझाव

अमरोहा (सब का सपना):- जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने जनपद के गन्ना उत्पादक किसानों को परामर्श देते हुए कहा है कि इस समय जनपद में गन्ने की फसल में लाल सड़न का प्रकोप देखा जा रहा है। इस रोग से ग्रसित पौधों की पत्तियों पर लाल रंग के धब्बे पड़ने लगते हैं। एवं पत्तियां पीली होकर सूख जाती हैं। और गन्ने को बीच में से फटने पर लाल रंग दिखाई देने लगता है। जिससे अल्कोहल की गंध आती है। इस रोग को नियंत्रण के लिए रोग ग्रस्त पौधों को उखाड़ कर गहरे गड्ढे में डाईफेनोकोनाजोल 114 प्रतिशत एस. सी का 1मिली/ लीटर पानी की दर के हिसाब से छिड़काव करें।

युवा पानी की टंकी पर चढ़कर रहे मस्ती,किसी का नही है डर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- युवाओं को मौत से नहीं लग रहा डर वह किसी भी हद तक पहुंचने को अंजाम की परवाह नही कर रहे। ऐसा ही एक मामला थाना हयात नगर क्षेत्र के गांव दहेली निकट कनैटा का है जहां युवा वन रहे खतरों के खिलाड़ी, लगभग 100 फिट ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ कर मौज-मस्ती करते नजर आए पूरे गांव की नजर उन पर थी परंतु उनसे कोई कुछ कहने बाला नही आखिर क्या यह संबंधित अधिकारी की लापरवाही नही कि इतने ऊंचाई पर बच्चे कैसे चढ रहे हैं कोई इनको रोकता क्यों नही अगर किसी बच्चे के साथ कोई अनहोनी होती है तो इसका जिम्मेदार कोन होगा, ग्राम प्रधान या पंचायत सचिव या फिर संबंधित अधिकारी या ठेकेदार किसकी होगी जबाब देही।

पत्र सौंपकर बाल अपराधों से बचाए गए बच्चों के लिए शेल्टर होम की मांग

सम्भल(सब का सपना):- जस्ट राइट्स संस्था ने सम्भल जिले में बाल अपराधों जैसे बाल विवाह, बाल श्रम और बाल तस्करी से रेस्क्यू किए गए बच्चों के लिए शेल्टर होम की स्थापना की मांग की है। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने सिटी मजिस्ट्रेट सम्भल सुधीर कुमार सोनी से मिलकर एक पत्र सौंपा जिसके द्वारा इस गंभीर मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई की अपील की है। पत्र में बताया गया कि सम्भल में शेल्टर होम की कमी के कारण रेस्क्यू किए गए

बच्चों को मुरादाबाद भेजना पड़ता है, जिससे समय और संसाधनों की बबार्दी होती है। इससे अधिकारियों में रेस्क्यू कार्यों के प्रति हिचकिचाहट देखी जाती है, जो बच्चों के हितों के लिए हानिकारक है। श्री चौधरी ने सुझाव दिया कि स्थायी शेल्टर होम बनने तक सम्भल नगरपालिका के मुरादाबाद रोड पर स्थित शेल्टर होम का उपयोग किया जा सकता है। जस्ट राइट्स ने बच्चों के कल्याण और अधिकारों की रक्षा के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। संस्था ने प्रशासन से इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि रेस्क्यू किए गए बच्चों को सुरक्षित और उचित देखभाल मिल सके।

राज्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित ग्राम तिगरी का निरीक्षण किया और बाढ़ प्रभावित परिवारों से की वार्ता

अमरोहा (सब का सपना):- राज्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित ग्राम तिगरी का निरीक्षण किया और बाढ़ प्रभावित परिवारों एवं ग्रामवासियों से वार्ता की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से प्रशासन द्वार उपलब्ध कराई राहत किट की जानकारी ली तो बताया गया कि प्राप्त हुई है। उन्होंने स्थापित बाढ़ चौकी की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि फसलों के नुकसान का सर्वे कराया जाएगा और सरकार द्वारा नुकसान की उचित भरपाई की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों निर्देश दिए कि सर्वे में एक भी किसान छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने सभी से कहा कि यहां आने का उद्देश्य आपकी समस्याओं को सुनना और उसका निस्तारण करना है। इसके साथ ही, अमरोहा के मोहल्ला दानिशमंदान निवासी तीन सगे भाइयों, जो नहाते समय डूब गए थे, उनके परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और ढांढस बंधाया। उन्होंने उप जिला अधिकारी धनौरा से तलाश के लिए लगाई गई टीमों की जानकारी ली और निर्देश दिए कि पीड़ित परिवार के रहने एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

यातायात नियमों का उल्लंघन करते दिखाई दे रहे बाइक सवार दे रहे मौत को दावत

बहजोई/संभल (सब का सपना):- यातायात नियमों का उल्लंघन करते दिखाई दे रहे हैं बाइक सवार बिना हेलमेट पहने दे रहे मौत को दावत। यातायात पुलिस नियमित रूप से लगातार जागरूकता अभियान चलाकर वाहन चालकों को जागरूक कर रही हैं जैसे चौपहिया वाहन चालक सीटबेल्ट लगाकर यात्रा करें दुपहिया वाहन चालक हेलमेट पहने शराब पीकर वाहन न चलाए यातायात नियमों का पालन करें स्कूलों में भी छात्र छात्राओं को

यातायात नियमों से लगातार जागरूक किया जा रहा है लेकिन फिर भी कुछ वाहन सवार यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। ताजा मामला जनपद संभल के कस्बा बहजोई के मैंन चौराहे का है जिसमें तस्वीर के माध्यम से देखा जा सकता है कि एक बाइक पर तीन लोग सवार हैं जो बिना हेलमेट बाइक पर स्टंट करते नजर आ रहे हैं खुले आम यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं अगर कोई दुर्घटना होती है तो कौन जिम्मेदार है ये अपने आप में एक बड़ा सवाल है अब देखने वाली बात यह है कि ऐसे लोगों पर करवाई होगी या सब कुछ ऐसा ही चलता रहेगा।

बलात्कार करने वाला एक आरोपी पुलिस ने किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- बलात्कार करने वाला एक आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्धू के कुशल नेतृत्व में अपराध एंव अपराधियों के विरुद्द चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस टीम ने एक वांछित

अभियुक्त दुर्गेश पुत्र प्रेमशंकर निवासी ग्राम अब्दुल वाहिदपुर पप्सरा थाना इस्लामनगर जिला बंदायू (20)पुलिस के अनुसार जिस पर बलात्कार की धारा में मुकदमा पंजीकृत किया गया था आज जिसको गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

राज्य मंत्री ने किया उप निबन्धन/सहायक महानिरीक्षक निबन्धन स्टाम्प के निमार्णाधीन कार्यालय और महिल थाना अमरोहा का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन, के0पी0मलिक द्वारा सांसद अमरोहा कंवर सिंह तंवर , विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़कवंशी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के साथ उप निबन्धन/सहायक महानिरीक्षक निबन्धन स्टाम्प के निमार्णाधीन कार्यालय का निरीक्षण किया। यूपी सिडको अधिशासी अभियंता द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त भवन व्यय निर्माण धनराशि रुपए 228.98 लाख की लागत से कराया जा रहा है वर्तमान तक 50% कार्य पूर्ण हो गया है। शासन से अवमुक्त राशि का उपभोग कर लिया गया है। उपभोगप्रमाण पत्र द्वितीय किस्त हेतु शासन को प्रेषित किया है जो कि वर्तमान तक अप्राप्त है। साथ ही अधिशासी अधिकारी यूपी सिडको द्वारा मंत्री को अवगत कराया गया कि शासन द्वारा समीक्षा के दौरान एक ही तल पर दोनों कार्यालय होने पर निर्देशित किया गया है कि जनता की सुविधा के भूतल एवं प्रथम तल दोनों पर कार्यालय अलग-अलग बनाए जाएं तथा मानचित्रो में आवश्यक परिवर्तन कर अनुमोदन हेतु शासन को प्रेषित किया जा चुका है जिनकी शीघ्र अनुमति मिलने की आशा है। निरीक्षण के दौरान मंत्री द्वारा वर्षा ऋतु को देखते हुए वृक्षारोपण एवं द्वितीय किस्त प्राप्त करते हुए कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए जिससे जनता को सुविधा अविलंब उपलब्ध हो। इसके बाद प्रभारी मंत्री द्वारा महिला थाना अमरोहा की नवनिर्मित भवन का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय भवन के भूतल पर मंत्री द्वारा ऑफिस, लॉकअप रूम, एसआई रूम, एसएचओ रूम तथा मीटिंग हॉल देखा गया। निरीक्षण के दौरान माननीय मंत्री जी द्वारा थाना के रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने के लिए अतिरिक्त अलमारी लगाने के निर्देश दिए। प्रथम तल पर उनके द्वारा महिला सिपाहियों हेतु बनी बैरक का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि उनके कार्यालय पर उपलब्ध फंड से कुछ फर्नीचर क्रय किया गया है तथा शेष फर्नीचर की मांग शासन से की गई है। कार्यदाई संस्था द्वारा बताया गया कि उक्त कार्य की लागत पर 294.90 लाख है जिसके सापेक्ष रुपए 147.45 लाख की धनराशि शासन से प्राप्त हुई है शेष धनराशि हेतु शासन से मांग की गई है। माननीय मंत्री जी द्वारा निर्माण कार्य को गुणवत्ता पूर्ण बताया और उन्होंने शीघ्र थाने को संचालित करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), परियोजना निदेशक, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी कर्मचारी एवं कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर अपराध से बचाव एवं यातायात जागरूकता हेतु मण्डी धनौरा पुलिस की पाठशाला

कक्षा 11वीं की छात्रा नवनीत कौर ने थाना प्रभारी बनकर जनसुनवाई व अन्य कार्यों का किया अनुभव प्राप्त

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति फेज 5 के अन्तर्गत थाना मण्डी धनौरा परिसर में प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र सिंह द्वारा फतेह सिंह यादव इंटर कॉलेज की छात्राओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, आपातकालीन सेवाओं एवं यातायात नियमों की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि वर्तमान समय में साइबर ठग विभिन्न तरीकों से लोगों को धोखाधड़ी का शिकार बनाते हैं। अतः अनजान कॉल, संदिग्ध लिंक अथवा फर्जी ऑफरों से सतर्क रहना आवश्यक है। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी होने पर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा www. cybercrime. gov.in पर तत्काल शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। साथ ही छात्राओं को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112

तथा अन्य उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। प्रभारी निरीक्षक मण्डी धनौरा द्वारा छात्राओं को थाना परिसर का भ्रमण कराया गया, जहाँ उन्हें पुलिस की कार्यप्रणाली, विभिन्न शाखाओं एवं दैनिक कार्यों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा कक्षा 11वीं की छात्रा नवनीत कौर ने थाना प्रभारी बनकर जनसुनवाई एवं अन्य कार्यों का अनुभव प्राप्त किया।

मंत्री, पशुधन एवं दुग्ध विकास तथा राजनैतिक पेंशन विभाग, उ0प्र0 शासन धर्मपाल सिंह ने कि विभागीय समीक्षा बैठक

हापुड़ (सब का सपना):- मंत्री द्वारा उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी को जनपद में उपलब्ध राजकीय चारागाह / गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराकर पशुपालन विभाग से बहुवर्षीय नेपियर घास एवं अन्य चारा बीज प्राप्त कर चरागाहों का विकास कराने हेतु दीये दिशा-निर्देश। आज मंत्री, पशुधन एवं दुग्ध विकास तथा राजनैतिक पेंशन विभाग, उ०प्र० शासन धर्मपाल सिंह के द्वारा विभागीय समीक्षा बैठक अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, बाबूगढ़, हापुड़ पर की गई, जिसमें डा० मानव, अपर निदेशक ग्रेड, पशुपालन विभाग, मेरठ मण्डल मेरठ, डा० संजीव कुमार, संयुक्त निदेशक, अतिहिमीकृत वीर्य उत्पादन केन्द्र, हापुड़, डा० ओ० पी० मिश्रा, मुख्य पशुचिकित्साधिकारी हापुड़, ईला प्रकाश, उप जिलाधिकारी एवं जितेन्द्र शर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर, हापुड़ एवं डा0 रमेश सिंह, प्रक्षेत्र प्रबन्धक, राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, बाबूगढ़, हापुड़ व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें। मंत्री द्वारा उपजिलाधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी

हापुड़ को जनपद हापुड़ में उपलब्ध राजकीय चारागाह / गोचर भूमि को

कब्जामुक्त कराकर पशुपालन विभाग से बहुवर्षीय नेपियर घास एवं अन्य चारा बीज प्राप्त कर चरागाहों का विकास कराने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, हापुड़ को कृत्रिम गभार्धान कार्य को सुदृढ़ करने के साथ ही जनपद में कही पर भी गौवंश भूखा न रहे, व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। संयुक्त निदेशक, डी0 एफ0 एस0 द्वारा बिन्दुवार केन्द्र के कार्यों की जानकारी मंत्री को दी गई और अवगत कराया गया कि गौवंशीय व महिष वंशीय पशुओं का वीर्य उत्पादन केन्द्र पर किया जा रहा है व सभी नस्लों की वीर्य स्ट्रा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पूर्व में केन्द्र पर वर्गीकृत वीर्य का उत्पादन व वितरण भी होता रहा है। राजकीय पशुधन एवं कृषि प्रक्षेत्र, बाबूगढ़, हापुड़ की समीक्षा में नस्ल उन्नयन एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि के उपायों पर चर्चा की गई तथा कृषकों के लिए पौषटिक हरा चारा उत्पादन हेतु बहुवर्षीय, संकर नैपियर घास की जड़ों को वितरित करने के निर्देश दिए गए।

थाना बहजोई पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई आलोक सिद्धू के कुशल नेतृत्व में अपराध एंव अपराधियों के विरुद्द चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा एक वारण्टी अभियुक्त धर्मपाल पुत्र दुर्जन सिंह खागी निवासी ग्राम भरतरा थाना बहजोई जनपद सम्भल (45) को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा था

दिल्ली में देह व्यापार का खुलासा: नाबालिग लड़कियों से कराया जा रहा था गंदा काम, आपत्तिजनक सामान बरामद

नई दिल्ली। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस ने एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) की सूचना पर स्वरूप नगर इलाके में चल रहे देह-व्यापार का खुलासा किया है। यहां एक महिला अपने साथियों के साथ मिलकर नाबालिग लड़कियों से देह-व्यापार करवा रही थी। पुलिस ने छापेमारी करते हुए महिला समेत छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मौके से पुलिस ने 15 साल की एक किशोरी व गर्भवती महिला समेत कुल चार महिलाओं को मुक्त कराया है। पकड़े गए आरोपियों में तीन ग्राहक भी शामिल हैं। पुलिस ने जबरन देह-व्यापार कराने, पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस को मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान भी बरामद हुआ है। बाहरी-उत्तरी जिला पुलिस हरेश्वर स्वामी ने बताया कि बुधवार को एक एनजीओ के ज्योति और शिवम ने पुलिस को एक मकान में नाबालिगों से जबरन देह-व्यापार कराने की सूचना दी थी। इन्होंने बताया कि गली नंबर-3, स्वरूप नगर में देह-व्यापार का धंधा चल रहा है। सूचना के बाद फौरन एक टीम का गठन किया गया। एनजीओ का शिवम नकली ग्राहक बनकर देह-व्यापार के अड्डे पर पहुंचा। वहां उसने एक दलाल को एक हजार रुपये ऑन लाइन दे दिए। इसके बाद उसने पुलिस टीम को इशारा कर दिया। टीम मौके पर पहुंची तो वहां भारती (50) नामक महिला, इसके सहयोगी देवेश यादव (40) और अर्जुन कुमार मिले। इसके अलावा तीन ग्राहक साजिद, अखिलेश और रजनीश भी वहां पर मौजूद थे। पुलिस ने इन सभी छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने देह-व्यापार के अड्डे से 15 साल की किशोरी, 25 साल की गर्भवती महिला, 35 और 52 साल की महिलाओं को मुक्त कराया। इनसे जबरन देह-व्यापार कराया जा रहा था। मुक्त कराई लड़कियों ने बताया कि भारी, देवेश और अर्जुन ने इनको देह-व्यापार के लिए बुलाया था। पुलिस को भारी मात्रा में यहां से आपत्तिजनक सामान के अलावा एक डायरी मिली है। इसमें देह-व्यापार का हिसाब-किताब लिखा हुआ है। पुलिस इनसे पूछताछ कर पता लगा रही है कि कब से यह लोग देह-व्यापार का रैकेट चला रहे थे।

बिजनौर के झालू सब स्टेशन पर गिरी आकाशीय बिजली, बिजली आपूर्ति बाधित

बिजनौर (सब का सपना):- शुक्रवार को अचानक मौसम खराब होने के दौरान हुई तेज बरसात व गर्जन के बीच बिजनौर जनपद के झालू स्थित बिजली घर के सब स्टेशन पर आकाशीय बिजली गिर गई। इस घटना से सब स्टेशन की आपूर्ति व्यवस्था कुछ समय के लिए प्रभावित हो गई और आसपास के कई इलाकों की बिजली गुल हो गई। सूचना मिलते ही विभागीय अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। तकनीकी टीम ने तत्परता दिखाते हुए मरम्मत कार्य शुरू कर दिया।

राहत की बात यह रही कि हादसे के समय ड्यूटी पर मौजूद सभी कर्मचारी पूरी तरह सुरक्षित रहे। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने के कारण सप्लाई लाइन में तकनीकी दिक्कत उत्पन्न हुई थी, जिसे शीघ्र ही दुरुस्त कर दिया जाएगा। वहीं स्थानीय लोगों ने भी बिजली विभाग की त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

हाथियों के झुंड ने किसानों की फसलों को रौंदकर किया बर्बाद

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना बढ़ापुर क्षेत्र के गांव इनायतपुर के खेतों में जंगली हाथियों के झूंड ने किसानों की फसलों को रौंदकर बर्बाद कर दिया,हाथियों ने गन्ने की कई बीघा फसल रौंद कर बर्बाद कर दी। हाथियों के आतंक से किसान परेशान है हाथी जंगल से निकलकर किसानों के खेतों में पहुंचकर लगातार किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। किसान ओम सिंह की हाथियों ने लगभग 5 बीघा गन्ने की फसल रौंदकर बर्बाद कर दी तो वही किसान निहाल सिंह की भी लगभग चार बीघा फसल बर्बाद कर दी, अन्य कई किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। किसान बाबूराम ने बताया कि हर साल जंगली हाथी किसानों की फसल बर्बाद कर देते हैं। जिसमें किसान बर्बाद हो गए हैं किसानों ने 1200 रुपए प्रति कुंतल गन्ने का बीज लेकर फसल लगाई थी जो हाथियों ने बर्बाद कर दी है और पास में ही वन चुकी है पर हाथियों की रोकथाम के लिए वन विभाग के अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे हैं और आज तक किसी किसान को फसल का मुआवजा भी नहीं मिला है अब ऐसे में किसान बर्बाद हो गए हैं।

श्री गौ कृपा कथा के लिए बैठक का आयोजन

पिलखुआ/हापुड़ (सब का सपना):- श्री बालाजी गौ सेवा धाम के तत्वाधान में भारतीय देशी गोवंश सेवा सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति शहरी ,ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता हेतु सात दिवसीय श्री गौ कृपा कथा के आयोजन के लिए संचालक मंडल की एक बैठक का आयोजन किया गया ठाकुरद्वारा मंदिर में आयोजित बैठक में श्री बालाजी गौ सेवा धाम के सदस्य अनुराग कुमार ने बैठक में बताया कि दिनांक 7 सितंबर से 13 सितंबर तक आर एस गार्डन में कथा का आयोजन रहेगा जिसमें कथा वाचक साध्वी श्रद्धा गोपाल

सरस्वती दीदी श्री गौ कृपा कथा का गुणगान करेंगे कथा के आयोजन को लेकर बैठक में अनेक विचार व्यक्त किए गए और 7 सितंबर को भव्य कलश यात्रा निकालने का निर्णय लिया गया इस मौके पर कार्यकताओं ने स्वेच्छा से अनेक जिम्मेदारियां लेकर कथा को सफल बनाने के लिए सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की इस मौके पर बताया गया कि गौ कृपा कथा सुनने से पितृपक्ष में श्री गौ कृपा कथा श्रवण व आचरण का विशेष महत्व है इस अवसर पर सुधीर गोयल, मनीष गोयल, रामकुमार, आकाश सैनी, राजेंद्र राठी, बिना गोयल, अजय गोयल ,भगवान गोयल, मोनिका शर्मा ,गौरव राघव अशोक सेन, राम गोपाल ,गौरव शास्त्री ,रविंद्र उत्साही ,अनुज मित्तल, धीरज गर्ग ,रामकेश सिंह तोमर गौरव गोयल श्याम बिहारी प्रदीप सिंघल ,देवेंद्र सेन ,अमित मित्तल , नीरज बंटी आदि मौजूद रहे।

बिजनौर में सड़क पर बैठकर शराब पी रहे तीन युवक गिरफ्तार

बिजनौर (सब का सपना):- थाना कोतवाली शहर क्षेत्र में पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए बड़ी कार्रवाई की है। वीडियो में तीन युवक खुलेआम सड़क पर बैठकर शराब पी रहे थे। पुलिस ने तत्काल जांच कर तीनों की पहचान की और गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवकों में पवित्र ढाका पुत्र प्रदीप ढाका निवासी शादीपुर मिल्क थाना शिवालाकला, ऋषभ चौधरी पुत्र प्रवेंद्र कुमार निवासी गांव पावली थाना चांदपुर और रुद्र सागवान पुत्र पुष्पाल सिंह निवासी मोहल्ला राम विहार कॉलोनी थाना बिलारी, जनपद मुरादाबाद शामिल हैं। थाना कोतवाली शहर पुलिस ने तीनों आरोपियों को धारा 170 बीएनएस के अंतर्गत गिरफ्तार कर आगे की विधिक कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही और खुलेआम सड़क पर कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आरएमएल अस्पताल के कर्मियों ने रिटर्न में छूट के लिए पेश किए फर्जी दावे, आयकर विभाग की जांच में खुलासा

नई दिल्ली। अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया(आरएमएल) अस्पताल के कर्मियों ने आयकर रिटर्न में छूट के लिए फर्जी दावे प्रस्तुत किए है। यही वजह है कि अस्पताल ने सर्कुलर जारी कर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को एक सितंबर या उससे पहले ऐसे सभी फर्जी दावों को वापस लेने और संशोधित आयकर रिटर्न दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। अस्पताल को आयकर विभाग से पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें विभागीय जांच में सामने आया कि अनेक कर्मचारियों ने विभिन्न कर निर्धारण वर्षों के लिए अपनी आयकर विवरण में कटौतियों/छूट का फर्जी दावा किया है। पत्र के अनुसार ऐसे मामले आयकर अधिनियम 1961 के तहत विभिन्न दंड और अभियोजन के लिए उत्तरदायी हैं। विभाग ने कर्मचारियों से ऐसे सभी फर्जी दावों को वापस लेने के बाद संशोधित रिटर्न दाखिल और ब्याज का भुगतान करने के निर्देश दिए है। साथ ही कर्मचारियों को इस संबंध में संवेदनशील बनाया जाएं। अगर वह छूट/कटौती के फर्जी दावे वापस लेने, बकाया कर और ब्याज का भुगतान करने में विफल रहते हैं तो वह अतिरिक्त कर के अलावा विभिन्न कारणों के लिए जिम्मेदार होंगे। इसमें आय की गलत जानकारी देने पर 200 फीसदी कर लगेगा। कर चोरी के जानबूझकर प्रयास के लिए धारा 276सी के तहत अभियोजन पर कम से कम तीन महीने का कठोर कारावास जिसे दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। साथ ही जुमार्ने का भी प्रावधान है। आयकर विभाग ने पत्र में स्पष्ट किया है कि आयकर रिटर्न में छूट के लिए कर्मचारी दावों/कटौती के लिए प्रस्तुत किए

मुठभेड़ में गोकशी का वांछित आरोपी भूरा गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

बिजनौर (सब का सपना):- थाना शेरकोट पुलिस ने बुधवार देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए गोकशी के वांछित आरोपी समीर अहमद उर्फ भूरा को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पैर में पुलिस की जवाबी फायरिंग से गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए सीएचसी धामपुर में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी भूरा महमदाबाद कस्बे का रहने वाला है। 18झ19 अगस्त की रात महमदाबाद जंगल में वह अपने साथियों शाहरुख, सलीम और मकसूद के साथ गोकशी कर रहा था। उस दौरान हुई मुठभेड़ में उसका साथी मकसूद पुलिस के हत्थे चढ़ गया था, जबकि भूरा समेत बाकी आरोपी अंधेरे का

फायदा उठाकर फरार हो गए थे। बीती रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भूरा महमदाबाद रोड पर गाजी फॉर्म तिराहे के पास मौजूद है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो आरोपी ने तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में भूरा के पैर में गोली लगी और वह जमीन पर गिर पड़ा। घटनास्थल से पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, कारतूस, गोकशी के उपकरण और एक हीरो पैशन मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में भूरा ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह गोवंश काटकर मांस बेचने की योजना बना रहा था। इस अवैध धंधे से कमाए गए पैसों से वह अपने साथी मकसूद की जमानत कराने का इंतजाम करना चाहता था। थाना शेरकोट पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ धारा 109(1) बीएनएस व 3/25/5/27 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस टीम अब फरार चल रहे शाहरुख और सलीम की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा है कि गोकशी जैसी अवैध गतिविधियों में लिप्त किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

चाणक्यपुरी में तेज रफ्तार कार ने रैपिडो बाइकर को मारी टक्कर, घायल को बीच सड़क छोड़ चालक फरार

नई दिल्ली। चाणक्यपुरी इलाके में एक रैपिडो बाइक चालक को एक तेज रफ्तार कार चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। किसी राहगीर ने घटना की सूचना पुलिस को दी। वहीं पीसीआरकर्मी ने घायल को इलाज के लिए आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया। बाइक सवार को गंभीर चोटें आई हैं, जिसकी पहचान सौरभ के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल फरार कार चालक की पहचान कर रही है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, 42 वर्षीय सौरभ अपने परिवार के साथ करावल नगर इलाके में रहते हैं। वह बुराड़ी में एक कंपनी में अकाउंटेंट के तौर पर काम करते हैं। इसके अलावा सुबह और शाम के वक्त रैपिडो बाइक भी चलाते हैं। 25 अगस्त की रात को नारायणा में सवारी छोड़ बाइक से अपने घर वापस लौट रहे थे। रात करीब 10:30 बजे वह वंदे मातरम मार्ग बुद्धा गार्डन गेट नंबर 2 के पास पहुंचे ही थे तभी पीछे से एक तेज रफ्तार में गाड़ी वाला आया और उन्हें टक्कर मार फरार हो गया, जिससे वह बेहोश हो गए। किसी राहगीर ने पुलिस को काल कर घटना की जानकारी दी। पीसीआर वाले घायल को लेकर आरएमएल अस्पताल पहुंचे। बाद में उन्हें होश आया तो पता चला कि वह आरएमएल अस्पताल में भर्ती हैं। गंभीर चोट लगने के कारण उनका उस वक्त बयान नहीं हो पाया था। बाद में उनके बयान पर मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि, अभी तक फरार गाड़ी वाला पुलिस पता नहीं कर सकी है।

दिल्ली के लोगों को याद आया 1971 का वो दौर... अब सीएम रेखा भी स्टूडेंट्स को राहत देने पर कर रही विचार

नई दिल्ली। यू-स्पेशल बस सेवा की दोबारा शुरूआत होते ही विश्वविद्यालय में पढ़ चुके पूर्व छात्रों को गुजरे जमाने के दिन याद आ गए। राजधानी में 1971 में यू-स्पेशल बसें शुरू हुईं थीं। तब किराया 50 पैसे हुआ करता था। दीपावली के दिन मलकागंज डिपो से इसकी शुरूआत हुई थी। दिल्ली ट्रांसपोर्ट कार्पोरेशन (डीटीसी) द्वारा शुरू की गई इस सेवा ने जल्द ही दिल्ली विश्वविद्यालय के सुरक्षा, किफायती और विश्वसनीय परिवहन का प्रतीक बनकर छात्रों के जीवन का हिस्सा बन गई। डूसू में उपाध्यक्ष रहे और वर्तमान में रामानुजन कालेज के प्राचार्य प्रो. रसाल सिंह ने कहा, बीसवीं सदी के नौवें दशक में यू-स्पेशल बस सेवा सर्वाधिक प्रचलित हो गई थी। तब लगभग 400 बसें रोजाना, करीब 1.90 लाख छात्रों को सेवा प्रदान करती थीं। उन्होंने कहा, साल 2000 में डूसू के पैनल में था। तब हम बसों की संख्या बढ़ाने की मांग करते थे। अब दोबारा सेवा का शुरू होना छात्रों के लिए सुखद खबर है। यह ऐसे वक्त में हुआ है जब चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चलते कालेजों की समयावधि बढ़ाई गई है। बाहरी कालेजों में छात्राओं की सुरक्षा एक बड़ा सवाल होता है और इससे उन्हें परेशानी नहीं होगी। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आने वाले छात्रों को अधिक फायदा मिलेगा। राजधानी कालेज में प्रोफेसर और पूर्व छात्र प्रो. पंकज कुमार गर्ग ने पुराने दिन को याद करते हुए कहा कि यू स्पेशल बसें ही विश्वविद्यालय पहुंचने का जरिया हुआ करती थीं। बीसवीं सदी के

आठवें दशक में जब वह पढ़ते थे तब 12.50 रुपये का महीने का पास बना करता था। बताया कि जनकपुरी से उत्तरी परिसर के एसजीबीटी खालसा कॉलेज पढ़ने जाया करते थे। बसें लाइफलाइन थीं। आने-जाने के लिए दोस्तों का ग्रुप बन गया था। लौटते वक्त 3.30 बजे पटेल चेस्ट से बस पकड़ते थे। सभी दोस्त एक साथ मिलकर जाते थे। अब मेट्रो का चलन है, लेकिन छात्रों के लिए उसका खर्च वहन करना आसान नहीं है। डीयू के शिक्षा विभाग में प्रोफेसर और पूर्व छात्र डा. लतिका गुप्ता ने कहा, मैं जीसस एंड मेरी कालेज में पढ़ती थी। तब सात रुपये का पास बनता था। यू स्पेशल बसें कक्षाओं के समयावधि के अनुसार चलती थीं। उस वक्त शाम को 4.25 पर आखिरी बस जाया करती थी। हमारी क्लास 4.20 पर छूटती थी। बसों पर नियमित चालकों की ड्यूटी होती थी। वह हम लोगों को पहचानते थे। कई बार इंतजार कर लेते थे। बताया कि तब मैं गाजियाबाद में रहती थी। आइटीओ तक यू-स्पेशल बस से आती थी। तब मोबाइल फोन नहीं थे, लेकिन तब भी छात्राएं आपस में समन्वय बना लेती थीं। बसों के समय के चलते सब एक दूसरे के दोस्त बन गए थे। कई बसें छात्राएं स्पेशल होती थीं। इससे कभी असुरक्षित महसूस नहीं होता था। विद्यार्थी बसों में अंताक्षरी खेलते रहते थे। जो पढ़ना चाहते थे वह पढ़ भी लेते थे। उस दौरान कई दोस्त बने, जो आज भी टच में हैं। धीरे-धीरे बंद होती चली गईं यू स्पेशल बसों का दौर 2008-09 से कम होना शुरू हुआ था। इनकी संख्या लगातार घटती गई। 2019झ20 तक ये घटकर 17 रह गईं। प्रो. रसाल सिंह ने कहा, छात्र स्वयं की गाड़ियों का इस्तेमाल करने लगे। बाद में मेट्रो के विस्तार और परिवहन विकल्पों के बढ़ने के कारण बसों का संचालन कम हो गया। डीटीसी को घाटे की बात भी सामने आई थी। अब रियायती मेट्रो पास पर सरकार कर रही विचार यू-स्पेशल बसों क लिए तमाम छात्र संगठन संघर्षरत रहे हैं। एबीवीपी ने हाल में मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने बसों की शुरूआत के दौरान कहा कि "मेरे पास एबीवीपी नीत डूसू छात्रसंघ के पदाधिकारी यू-स्पेशल बसेज के लिए कई बार आए और ज्ञापन सौंपा जिसके परिणामस्वरूप यू स्पेशल बसेज आपके सामने है। साथ ही, उनकी एक और मांग मेट्रो रियायती पास पर भी विचार कर रही हैं और जल्दी इस पर निर्णय लिया जाएगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल देने पर बल दिया : अर्पणा भारद्वाज

पंचकूला। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पंचकूला द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण (पीओएसएच) अधिनियम, 2013 पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन एडीआर केंद्र, जिला न्यायालय परिसर, पंचकूला में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विभिन्न विभागों की महिला कर्मचारियों के साथ-साथ आंतरिक शिकायत समितियों की सदस्यों को पीओएसएच अधिनियम के प्रावधानों और उनके प्रभावी कार्यान्वयन के बारे में जागरूक करना था। डीएलएसए, पंचकूला की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव सुश्री अपर्णा भारद्वाज ने बताया कि यह कार्यशाला माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए ऑरेलियानो फर्नांडीस बनाम गोवा राज्य एवं अन्य 2024 (1) एससीसी 632 के निर्णय के अनुपालन में आयोजित की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक कार्यस्थल सुनिश्चित करने हेतु कर्मचारियों और समिति सदस्यों के लिए नियमित अभिविन्यास और जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल दिया है। जागरूकता कार्यशाला एडीआर केंद्र, पंचकूला के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। डीएलएसए पंचकूला के पैनल अधिवक्ता राठी और सुश्री शिवानी ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में कार्य किया और विषय पर अपनी विशेषज्ञता साझा की। उन्होंने यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण में POSH अधिनियम, 2013 के वैधानिक प्रावधानों, नियोक्ताओं के कर्तव्यों और आंतरिक शिकायत समितियों (ICCs) की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया। इंटरैक्टिव चचाओं और व्यावहारिक

उदाहरणों के माध्यम से, संसाधन व्यक्तियों ने प्रतिभागियों को कार्यस्थल पर उत्पीड़न की घटनाओं की पहचान करने, उन्हें रोकने और प्रभावी ढंग से उनका जवाब देने के तरीके के बारे में जागरूक किया। कार्यशाला में कुल 61 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो 11 विभिन्न विभागों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, अर्थात लीड बैंक अधिकारी, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी (बी एंड आर), पर्यावरण विभाग, उद्योग केंद्र, जिला खेल विभाग, जिला सैनिक बोर्ड, एक्सईएन एचएसएएमबी, कॉन्फेडरेशन विभाग, हुडा कार्यालय, विशेष संरक्षक अभियंता कार्यालय महिला कर्मचारियों को कार्यस्थल पर अधिकारों और शिकायत निवारण तंत्रों से संबंधित चचाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने, अनुभव साझा करने और शंकाओं का समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस सत्र में उन्हें अधिनियम के तहत उपलब्ध कानूनी सुरक्षा, अधिकारों और उपायों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। सुश्री भारद्वाज ने बताया कि कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों को समिति के सदस्यों की ज़िम्मेदारियों के बारे में भी जानकारी दी गई, जिनमें समय पर जाँच, गोपनीयता, निष्पक्षता और उचित प्राधिकारियों को वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करना शामिल है। इस बात पर जोर दिया गया कि प्रत्येक कार्यस्थल, चाहे वह सरकारी हो या निजी, महिला कर्मचारियों के लिए विश्वास और सुरक्षा का वातावरण बनाने के लिए अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना चाहिए। सुश्री अपर्णा भारद्वाज ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डीएलएसए पंचकूला कानूनी जागरूकता फैलाने और समाज के सभी वर्गों के लिए न्याय तक पहुँच सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत नियमित रूप से ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यौन उत्पीड़न को रोकना न केवल एक कानूनी दायित्व है, बल्कि प्रत्येक संस्थान की नैतिक ज़िम्मेदारी भी है, और कर्मचारियों का संवेदनशील होना इस उद्देश्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों, संसाधन व्यक्तियों और विभागों को उनके सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। डीएलएसए पंचकूला ने पूरे जिले में महिलाओं के लिए सुरक्षित, संरक्षित और समावेशी कार्यस्थलों को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में भी इसी तरह के प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित करने के अपने संकल्प की पुष्टि की।

'हरियाणा स्वच्छता अभियान 2025'

सफाई मित्रों के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजन

नगर परिषद का लक्ष्य शहर को स्वच्छ, सुंदर व स्वस्थ बनाना : डीएमसी रणवीर सिंह

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेशानुसार 'हरियाणा स्वच्छता अभियान 2025' के तहत नारनौल में सफाई मित्रों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य उनकी कार्यकुशलता और कार्यक्षमता को बढ़ाना था। इस प्रशिक्षण का आयोजन नगर निगम के डीएमसी रणवीर सिंह की देखरेख में हुआ। डीएमसी रणवीर सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सफाई मित्रों को सफाई के आधुनिक और सही तरीकों के बारे में जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि जब काम सही तरीके से किया जाता है, तो न केवल काम की गुणवत्ता सुधरती है, बल्कि काम करने वाले की क्षमता भी बढ़ती

है। यह प्रशिक्षण इसी सिद्धांत पर आधारित था ताकि सफाई कर्मचारी अपने कार्य को अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें। प्रशिक्षण के बाद सभी सफाई मित्रों ने शहर में एक बड़े स्वच्छता अभियान में भाग लिया। इस अभियान के दौरान नारनौल के विभिन्न हिस्सों में गहन सफाई का कार्य किया गया, जिसमें कचरा हटाना, नालियों की सफाई करना और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाना शामिल था। डीएमसी रणवीर सिंह ने कहा कि नगर परिषद का लक्ष्य शहर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, सफाई मित्रों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और ऐसे प्रशिक्षण सत्र उनकी भूमिका को और भी मजबूत बनाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि नारनौल शहर स्वच्छता के मामले में एक मिसाल बने।

मेजर ध्यानचंद जयंती पर खिलाड़ी सम्मानित

रेवाड़ी, राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सीहा स्कूल में प्रतिभा प्रोत्साहन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के मेजर ध्यानचंद खेल क्लब तथा शिवालिक सदन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में गांव की सरपंच सरिता यादव मुख्य अतिथि रही तथा अध्यक्षता का विद्यालय के प्राचार्य सत्यवीर नाहड़िया ने की। उक्त जानकारी देते हुए क्लब के अध्यक्ष प्राध्यापक नरेश कुमार ने बताया कि विद्यालय की दोनों खेल नर्सरी से जुड़े विद्यार्थियों ने खंड तथा जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की जूनियर तथा सीनियर कबड्डी टीम खंड स्तर पर विजेता रही तथा जिला स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा करीब एक दर्जन बच्चों ने एथलेटिक्स में खंड तथा जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय खेल दिवस एवं हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले मेजर ध्यानचंद की जयंती पर सरपंच सरिता यादव ने सभी खिलाड़ियों तथा कोच संदीप कुमार व टीम प्रभारी नरेश कुमार को सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि नये शैक्षणिक सत्र में सीहा स्कूल ने खेलों के साथ-साथ विज्ञान प्रदर्शनी, कला उत्सव, रोल प्ले, समूह नृत्य तथा हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिता में सर्वाधिक पुरस्कार जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है, जिसके लिए सरपंच तथा प्राचार्य ने विद्यालय के स्टाफ, कोच तथा सभी स्टाफ सदस्यों को बधाई दी है।

लघु सचिवालय परिसर मे आज चलाया जाएगा श्रमदान अभियान

रेवाड़ी। स्वच्छ शहर अभियान के तहत शनिवार 30 अगस्त को लघु सचिवालय परिसर में विभागाध्यक्षों द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के तहत श्रमदान अभियान चलाया जाएगा। डीसी अभिषेक मीणा ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए है कि सभी विभागाध्यक्ष व उनके अधीन अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित होकर प्रातः 7 बजे से प्रात 9 बजे तक श्रमदान हेतु उपस्थित सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी अपने कार्यालय में और उसके आस-पास हर रोज सफाई रखना सुनिश्चित करेंगें व समय-समय पर उच्च अधिकारियों द्वारा इसका निरीक्षण भी किया जाएगा। डीसी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य स्वभाव स्वच्छता व संस्कार में स्वच्छता है। सभी अधिकारी व कर्मचारी अपनी सक्रीय भागीदारी

सुनिश्चित करते हुए इस कार्यक्रम को सफल बनाएं। डीसी अभिषेक मीणा ने लघु सचिवालय परिसर को पोलोथिन मुक्त मनाने के लिए सचिवालय में कार्यरत सभी विभागाध्यक्ष व कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि कोई भी कार्यालय में पोलोथीन का इस्तेमाल नहीं करेगा। यदि कोई भी कर्मचारी कार्यालय में पोलोथीन का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा जाता है तो उसका प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट रूल्स 2016 और एक्ट 1994 के तहत चालान किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को कार्यरत कर्मचारी की हाजरी रिपोर्ट भी भेजने के निर्देश दिए है, यदि कोई कर्मचारी अनुपस्थित रहता है तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। डीसी ने नगर परिषद रेवाड़ी के अधिकारियों को निर्देश दिए है कि श्रम दान के लिए दस्ताने, पोली बैग, कस्सी व तसला पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें। डीसी अभिषेक मीणा ने आमजन से भी आह्वान किया है कि ग्यारह सप्ताह तक चलने वाले स्वच्छता अभियान में भागीदार बनते हुए रेवाड़ी शहर को स्वच्छ बनाएं और अपने कूड़े- कचरे को कूड़ेदान या कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डालें।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता कार्यक्रम की सफलता के लिए जन जागरूकता एवं जनभागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। सभी प्रशासन के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाएं।

दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना शुरू करके नायब सरकार ने किया महिला वर्ग का सम्मान : डॉ. आशा खेदड़

हिसार / भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने प्रदेश सरकार द्वारा लाडो लक्ष्मी योजना शुरू करके इसके तहत महिलाओं को 2100 रुपये प्रति माह दिन जाने का स्वागत किया है। उन्होंने सरकार के इस फैसले को महिला वर्ग का सम्मान बताते हुए इस पर खुशी जताई है। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 25 सितंबर से दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना का शुभारंभ करने का ऐलान किया है। विधानसभा सत्र के तुरंत बाद कैबिनेट बैठक में महिलाओं के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए नई योजना को मंजूरी दी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य की डबलङ्कइंजन सरकारें गरीबों और जरूरतमंदों के हित में लगातार कल्याणकारी पहल आगे बढ़ा रही हैं। विकसित भारत के चार स्तम्भों में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और इन्हें सशक्त बनाने के लिए केंद्र व राज्य दोनों स्तरों पर निरंतर नीतियां लागू की जा रही हैं। डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर 25 सितंबर से इस योजना का औपचारिक शुभारंभ करने की घोषणा की है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना का लाभ हरियाणा की उन महिलाओं को मिलेगा जिनकी आयु 23 वर्ष या उससे अधिक होगी। योजना का लाभ विवाहित व अविवाहित दोनों प्रकार की महिलाओं को उपलब्ध होगा। पहले चरण में उन परिवारों को शामिल किया गया है जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है। भविष्य में चरणबद्ध तरीके से अन्य आयङ्कसमूहों को भी योजना में शामिल किया जाएगा। लाभ लेने के लिये अविवाहित महिला का अथवा विवाहित महिला के पति का, हरियाणा में पिछले 15 वर्षों से मूल निवासी होना अनिवार्य होगा। एक परिवार में महिलाओं की संख्या पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यदि एक परिवार में तीन महिलाएं हैं, तो उन तीनों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट की स्वीकृति के बाद आने वाले 6ङ्क7 दिनों के भीतर योजना का गजट नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा और उसी के साथ एक मोबाइलङ्कऐप भी लॉन्च किया जाएगा

जिसके माध्यम से पात्र लाभार्थी घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी। राज्य सरकार प्रत्येक संभावित पात्र महिला को एसएमएस के माध्यम से आवेदन सम्बन्धी जानकारी भेजेगी। सभी पात्र महिलाओं की सूची ग्रामङ्कपंचायतों और वार्डों में प्रकाशित की जाएगी।

महिला विद्यार्थियों के लिए चलाई स्पेशल बसें

रेवाड़ी। हरियाणा राज्य परिवहन विभाग द्वारा महिलाओं के लिए रेवाड़ी से जिला के 7 स्थानों के लिए स्पेशल बसों का संचालन किया गया है।। हरियाणा राज्य परिवहन महाप्रबंधक निरंजन शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि रेवाड़ी से खन्डोडा मार्ग, भटसाना, राजगढ़ मार्ग, पटौदी, कनूका, खटावली मीरपुर, राजकीय महिला कॉलेज सेक्टर 18 तक महिलाओं के लिए अलग से बस चलाई गई है ताकि महिलाओं व कन्याओं को बस में सुगम सफर करने में आसानी हो। उन्होंने बताया कि जिला में कई स्थानों से महिलाएं व छात्राएं रोजाना पढ़ाई ओर नौकरी

करने लिए रेवाड़ी आती है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को देखते हुए उक्त स्थानों के लिए महिला स्पेशल बसों का संचालन किया गया है।

उन्होंने बताया कि महिला स्पेशल बस संचालन से महिलाओं और युवतियों में खुशी की लहर है,

अब उनके लिए बस में सफर करना आसान हो गया और उनको भीड़ में धक्के भी नहीं खाने पडेंगे। महिला स्पेशल बसों का समय हरियाणा राज्य परिवहन महाप्रबंधक निरंजन शर्मा ने बताया कि रेवाड़ी से खन्डोडा मार्ग पर बस का समय प्रातः 7 बजे तथा वापसी दोपहर दो बजे, रेवाड़ी से भटसाना सुबह 7:30 बजे वापसी दोपहर 2 बजे, रेवाड़ी से राजगढ़ मार्ग प्रातः 8 बजे वापसी दोपहर 2:30 बजे, रेवाड़ी से पटौदी प्रातः7:30 बजे वापसी दोपहर 3.10 बजे, रेवाड़ी से कनूका प्रातः 8:00 बजे वापसी 2 बजे, रेवाड़ी से खटावली मीरपुर प्रातः 7:30 बजे तथा वापसी 2 बजे, रेवाड़ी से महिला कॉलेज रेवाड़ी 10 ट्रीप बसों का संचालन होगा।

जल संग्रह के लिए पंचायती भूमि पर बनाए जाए टैंक- डीसी अभिषेक मीणा

-अधिकारी तत्परता से करें जन शिकायतों का निवारण- डीसी

-डीसी अभिषेक मीणा ने की समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने कहा है कि किसी विभाग में दो माह से अधिक समय तक कोई शिकायत लंबित नहीं रहनी चाहिए। अधिकारी यह स्वयं निगरानी रखें कि उनके पास समाधान शिविर या अन्य किसी माध्यम से आई शिकायत को आए कितना समय हो गया है। डीसी अभिषेक मीणा शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में समाधान शिविर में आई शिकायतों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय से जन शिकायतों पर की गई या नहीं की गई कार्रवाई पर रिपोर्ट ली जाती है। कोई शिकायत अधिक समय तक लंबित रही तो उस मामले में संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही हो सकती है। इसलिए जन

शिकायतों का निवारण करने में अधिकारी तत्परता दिखाएं। समीक्षा बैठक में डीसी ने पंचायत विभाग, बिजली वितरण निगम, क्रिड, नगरपरिषद कार्यालय, पुलिस विभाग, राजस्व विभाग आदि से मुतल्लिक शिकायतों की प्रगति रिपार्ट ली और अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी यथास्थिति है, उससे प्रशासन को अवगत अवश्य करवाया जाए। बैठक से पहले आयुक्त एवं सचिव शेखर विद्यार्थी ने वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी उपायुक्त के साथ समाधान प्रकोष्ठद में आई शिकायतों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में डीसी अभिषेक मीणा ने कहा कि शहर और गांवों में सफाई व्यवस्था दुरूस्त रहनी चाहिए। इस कार्य में सामाजिक व व्यापारिक संगठनों का भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इन दिनों बारिश का मौसम है। यह जलसंग्रह के लिए एक अच्छा अवसर है, जिसका हमें लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सारवान को निर्देश दिए कि किसी गांव की पंचायती भूमि में एक बड़ा टैंक बनवाया जाए, जहां बरसात का पानी स्टोर किया जा सके। इस कार्य में काडा या सिंचाई विभाग की मदद ली जा सकती है।

उन्होंने कहा कि किसानों को भी अपने खेतों में जल संग्रह के लिए छोटे तालाब बनाने चाहिए। यह पानी साल भर उनके काम आ सकता है। बैठक में नगराधीश जितेंद्र कुमार ने बताया कि रेवाड़ी जिला में अभी तक 4 हजार 111 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से तीन हजार 531 का समाधान कर दिया गया है। इनमें से 197 शिकायतें लंबित हैं, जिन पर कार्रवाई जारी है। बैठक में एडीसी राहुल मोदी, एसडीएम सुरेश कुमार, जिला राजस्व अधिकारी प्रदीप देशवाल, बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता कुलदीप मेहरा, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता सतेंद्र श्योराण, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता अशोक यादव, क्रिड प्रभारी नीरज गौतम, जिला कल्याण अधिकारी रेणु बाला आदि मौजूद रहे।

जर्रे-जर्रे में है झांकी भगवान की कार्यक्रम 31 अगस्त को

रेवाड़ी: हमारा परिवार संस्था के तत्वावधान में प्रभु के चरणों में वंदना का कार्यक्रम जर्रे-जर्रे में है झांकी भगवान की कार्यक्रम 31 अगस्त को रविवार, प्रातः 7 बजे पंजाबी धर्मशाला पर किया जा रहा है। संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने बताया कि आइएमए जिला रेवाड़ी के पूर्व प्रधान डॉ. दीपक यादव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की गरिमा बढ़ायेंगे। डॉ. श्रीमती नीरज यादव सचिव आरओजीएस रेवाड़ी विशिष्ट अतिथि रहेंगी। संस्था की ओर से नेहा शर्मा प्रधान रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन, दिनेश राजपाल अध्यक्ष बाबा फरीद सेवा ट्रस्ट, रमेश सचदेवा संरक्षक भारत विकास परिषद, अनुकूल शर्मा सचिव रोटरी क्लब रेवाड़ी मेन का विशेष रूप से अभिनंदन किया जाएगा। मधुर-मधुर भजनों का सभी साधक मीठी-मीठी तालियों के साथ आनंद लेंगे। उल्लेखनीय सेवा करने वाले साथियों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम की सफलता लिए प्रधान अरुण गुप्ता, शिक्षाविद् डॉ. बलबीर अग्रवाल, समाजसेवी राजेन्द्र गेरा, महिला प्रधान निशा सीकरी, संयोजक शशि जुनेजा, शिक्षाविद् मधु गुप्ता सहयोग कर रहे है।

पीथड़ावास में खेल दिवस पर खेल सामग्री की वितरित

रेवाड़ी। जिले के गांव में पीथड़ावास सरपंच प्रतिनिधि मोहित कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय खेल दिवस पर खेल प्रेमियों को खेल सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि ने खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना फिट इंडिया के तहत हर गांव के युवाओं को खेल सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है ताकि देश का युवा खेल के साथ जुड़कर नशे जैसी बुराई से दूर रहकर देश की प्रगति में अपना योगदान दे। इस अवसर पर ग्राम सचिव अरुण यादव, भूपेश कुमार, नितिन कुमार, दीपक कुमार, दीपांशु, अभिमन्यु , शुभम, संजय आदि उपस्थित रहे।

गांव पातुहेडा में स्वच्छता अभियान के तहत निकाली स्वच्छता रैली

-ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति किया प्रेरित

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के सकारात्मक दृष्टिकोण से चलाए जा रहे विशेष कार्यक्रम स्वच्छता अभियान के सपने को पूरा करने और डीसी अभिषेक मीणा के मार्गदर्शन में जिले के गांव पातुहेडा में ग्यारह सप्ताह तक चलने वाले स्वच्छता अभियान के तहत स्वच्छता रैली निकाली गई। पातुहेड़ा गांव के सरपंच हवा सिंह ने स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए शहीद पतराम राजकीय प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को प्रेरित किया। विद्यालय के अध्यापक संदीप भारद्वाज ने बताया कि डीसी के स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए, बच्चों को कई प्रेरित किए और विद्यालय के स्टाफ ने विशेष नारों के साथ गांव में रैली निकालते हुए लोगों को जागरूक करने काम किया। इस अवसर पर दिनेश कुमार ने छात्रों के माध्यम से अभिभावकों को संदेश दिया कि अपने कूड़े- कचरे को कूड़ेदान या कूड़ा उठाने वाली गाड़ी में ही डालें। इस अवसर पर प्रीतम सिंह, मनजीत, कविता, प्रियंका, हेमलता, पवित्रा, सीता, किरन, गुलशन, रमन, रितिक, गौरव, उपस्थित रहे।

श्री रामदूतम सेवा समिति 1 सितंबर को बालाजी महाराज मेहंदीपुर में लगाएंगे बड़ी अर्जी, बंटी गोयल

हिसार / श्री रामदूतम सेवा समिति द्वारा नवम श्री शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं सालासर पैदल यात्रियों के निमित्त 1 सितंबर को समिति सदस्य बालाजी महाराज मेहंदीपुर जा कर बड़ी अर्जी लगाएंगे व कार्यक्रम के लिए बालाजी महाराज को निमंत्रण देंगे। श्री रामदूतम सेवा समिति(रजि.) के प्रधान कुलप्रकाश बंटी गोयल ने बताया कि नवम श्री शरद पूर्णिमा महोत्सव एवं सालासर पैदल यात्रियों के लिए समिति राजगढ़ रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पम्प के साथ भंडारे के अतिरिक्त वरिष्ठ चिकित्सक की व्यवस्था की जाती है,ताकि यात्रियों को यात्रा में कोई परेशानी न हो इससे पूर्व स्थानीय ऑटो मार्किट स्थित श्रीबाला जी हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करके विधिवत रूप से 41 दिन के लिए अखण्ड ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज किया था। यही ज्योत 27 सितंबर को उत्सव स्थल पर ले जाई जाएगी। जहाँ 27 सितंबर से 2 अक्टूबर तक कार्यक्रम चलेगा। जहां प्रतिदिन भजन कीर्तन करके आने वाले यात्रियों के लिए ठहराव किया जाएगा। पूरे कार्यक्रम में प्रतिदिन समिति सदस्य उपस्थित रह कर अपनी सेवाएं देंगे।

अवैध बाड़ों पर होगी सख्त कार्रवाई, खुले में पशु छोड़ने वाले पशुपालकों पर होगी एफआईआर- निगमायुक्त

हिसार / मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान निरंतर जारी है। नगर निगम द्वारा वीरवार को रात्रि के समय 35 बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौ-अभ्यारण भेजा गया। रात्रि अभियान के दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त वीरेन्द्र सहारण भी मौजूद रहे। इस दौरान पुलिस विभाग की टीम, तहबाजारी इंचार्ज सुरेन्द्र शर्मा व उनकी टीम, यूनियन प्रधान सुरेन्द्र मौजूद रहे। सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि निगमायुक्त नीरज के आदेशानुसार शहर से बेसहारा पशुओं को पकड़ने वीरवार रात्रि 8 बजे से शुरू किया गया। अभियान सुबह 6 बजे तक चला। इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों से 35 बेसहारा पशुओं को पकड़कर गौ-अभ्यारण भेजा गया। उन्होंने बताया कि कैमरी रोड, सेक्टर 9-11, दिल्ली रोड, अर्बन एस्टेट-2, आजाद नगर से 35 पशुओं को पकड़ा गया। सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि अतिरिक्त निगमायुक्त वीरेन्द्र सहारण टीम के साथ जब आजाद नगर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि वहां एक बहुत बड़ा पशु बाड़ा बना हुआ था। जिसमें 200 से 250 गौवंश थे। कुछ गौवंश बाड़े के बाहर भी घूम रहे थे। टीम को देखकर पशुपालक वहां आ गए। पशुपालकों ने कहा कि यह बाड़ा हमारी खुद की जमीन पर बना हुआ है। वर्मा ने बताया कि रात के समय वह पशुपालक खुद की जमीन के दस्तावेज नहीं दे पाए। लेकिन उन्होंने शुक्रवार को निगम कार्यालय में दस्तावेज दिखाने को कहा। अगर वो दस्तावेज नहीं दिखाते है, तो वह बाड़ा अवैध माना जाएगा और उस पर निगम सख्त कार्रवाई करेगा। वर्मा ने बताया कि यह सारा मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में ला दिया गया है।

अग्रसैन भवन ट्रस्ट ने 6 और बुजुर्गों को मुफ्त हवाई सेवा द्वारा अयोध्या भेजा

हिसार / अग्रसैन भवन ट्रस्ट ने अब तक 76 बुजुर्गों को मुफ्त हवाई सेवा के अपने संकल्प के तहत अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शनों के लिए भेजने का कार्य किया है। इसी कड़ी में आज 6 और बुजुर्गों को अयोध्या के लिये भेजा गया। अयोध्या जाने वालों में सुभाष चंद्र, इन्द्रावती, राजबाला, नीलम, रुबी व बिरेन्द्र शामिल हैं। इससे पहले 76 बुजुर्गों को अयोध्या भेजा जा चुका है। सभी बुजुर्गों के अग्रसेन भवन पहुंचने के बाद उन्हें सस्सम्मान निजी वाहनों द्वारा हिसार एयरपोर्ट तक छुड़वाया गया। ट्रस्ट के प्रधान अंजनी कुमार खारियावाला के पुत्र चंचल सिंगल खारियावाला ने सभी यात्रियों को झंडी दिखाकर रवाना किया। सभी बुजुर्गों के लिये अयोध्या में रहने, खाने-पीने व मंदिरों के दर्शन करवाने की व्यवस्था की गई है। सभी बुजुर्ग अयोध्या से रविवार 31अगस्त को वापिसी हिसार आएंगे। इसी कड़ी में अगले शुक्रवार को और बुजुर्गों को अयोध्या भेजा जाएगा।

हॉकी एशिया कप: चीन को हराकर भारत की एशिया कप में धमाकेदार शुरुआत, हरमनप्रीत की हैट्रिक

राजगीर (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन पुरुष हॉकी टीम के एशिया कप के पहले मैच में कमजोर चीन के खिलाफ प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि टीम ने अपना अभियान जीत के साथ शुरू किया। विश्व रैंकिंग में सातवें पायदान पर काबिज भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में 23वें नंबर के चीन के खिलाफ 4-3 की संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की।

फुल्टन ने मैच के बाद मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमारे लिए मैच का पहला हाफ अच्छा था, हम अच्छी स्थिति में थे और फिर कुछ गलतियां कीं। हमारे पास सुधार करने का मौका था। यह अच्छा रहा कि दूसरे हाफ में हमें कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले और हमने उन्हें गोल में बदला। पेनल्टी स्ट्रोक चूकना दुर्भाग्यपूर्ण था।'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीन पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले लेकिन दूसरे हाफ में एक पेनल्टी स्ट्रोक पर चूक गए। फुल्टन ने कहा, 'हम खेल जीतने के लिए, तो अच्छा खेले, लेकिन अपनी उम्मीदों के हिसाब से नहीं खेले। यह टूर्नामेंट का पहला मैच था। हमने कुछ मौके गंवाए और कुछ गोल भी खाये लेकिन यह देखना अच्छा था कि टीम ने पूरा जोर लगाया।' फुल्टन ने कहा कि मैच में जीत दर्ज करने के बावजूद उनकी टीम को कई क्षेत्रों में सुधार करने की आवश्यकता है। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'हमारे लिए महत्वपूर्ण बात यह थी कि हमें तीन अंक मिले।'

उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम को कम आंकना गलती होगी और शुक्रवार को ऐसा ही दिखा। भारतीय कोच ने कहा, 'मुझे किसी भी टीम से संघर्ष की उम्मीद है। हम टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम हैं और यहां प्रबल दावेदार है, इसलिए हर टीम हमसे खेलने के लिए खुद को तैयार करेगी और हमें उस चुनौती का सामना करना होगा।' उन्होंने कहा, 'मैंने कई मैच देखे हैं जहां आप अच्छा नहीं खेलते, लेकिन जीत जाते हैं और जीत हासिल करना ही सबसे जरूरी है।'

हरमनप्रीत ने कहा कि चीन के खिलाफ मैच से उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। उन्होंने कहा, 'यह एक कठिन मैच था, लेकिन जीतना जरूरी था। आखिरी सीटी तक हम संघर्ष करते रहे। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि टीम

की रक्षा पंक्ति को अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर टीमें जवाबी हमला करने का इंतजार करती है। यह हमारे लिए एक अच्छा सबक है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी रक्षापंक्ति मजबूत रहे।'

एशियाई निशानेबाजी: मानिनी को 50 मीटर राइफल प्रोन में कांस्य, महिला टीम ने जीता रजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिमकेंट - युवा भारतीय निशानेबाज मानिनी कौशिक ने शुक्रवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की 50 मीटर राइफल प्रोन स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने के साथ ही टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने में भी अहम भूमिका निभाई। मानिनी का व्यक्तिगत स्पर्धा में यह पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है।

जयपुर की 24 साल की इस निशानेबाज ने 617.8 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया की हाना इम (620.2) और यूनसेओ ली (620.2) ने क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। मानिनी ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया था, लेकिन उनसे आगे रहने वाले दो निशानेबाज दक्षिण कोरिया की येलीन चोई (620.1) और भारत की सिफ्त कौर सामरा (617.9) सिर्फ रैंकिंग अंक (आरपीओ) के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। आरपीओ निशानेबाज केवल अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग अंक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। मानिनी ने 10-10 शॉट के छह सीरीज में 104.0, 103.8, 101.2, 103.3, 103.2 और 102.3 का स्कोर किया। उन्होंने 50 मीटर राइफल प्रोन (गैर-ओलंपिक स्पर्धा) में टीम को रजत पदक दिलाने में भी मदद की। मानिनी (617.8), सुरभि भारद्वाज (614.4) और विनोद विदर्शा (613.8) की तिकड़ी ने कुल 1846 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया। दक्षिण कोरिया (1856.8 अंक) ने स्वर्ण पदक जीता जबकि कजाकिस्तान 1828.2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की प्राची गायकवाड़ ने 616.6 के स्कोर के साथ जूनियर महिला 50 मीटर राइफल प्रोन में रजत पदक जीता। स्वर्ण पदक दक्षिण कोरिया की सेही ओह (618.6) ने जीता, जबकि कांस्य कजाकिस्तान की सोफिया मलकिना (616.3) को मिला। प्राची (616.6), अनुष्का ठोकुर (607.6) और तेजल नथावत (599.2) की तिकड़ी ने कुल 1823.4 के साथ टीम कांस्य पदक जीता। दक्षिण कोरिया (1844 अंक) के साथ ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान (1830.1) ने रजत पदक अपने नाम किया।

एशिया कप के लिए बीसीसीआई का बड़ा फैसला, पांच खिलाड़ी नहीं जाएंगे दुबई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने फैसला किया है कि एशिया कप 2025 के लिए 5 स्टैंडबाय खिलाड़ियों यशस्वी जायसवाल, प्रसिद्ध कृष्णा, वाशिंगटन सुंदर, रियान पराग और ध्रुव जुरेल मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।

सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को ग्रुप ए में् श्व के खिलाफ करेगी। इसके बाद 14 और 19 सितंबर को क्रमशः पाकिस्तान और ओमान के खिलाफ मैच होंगे। BCCI ने इस महीने की शुरुआत में 15 सदस्यीय एक मजबूत टीम की घोषणा की थी जिसमें शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाना गया है। समाचार एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार जायसवाल, प्रसिद्ध, सुंदर, पराग और जुरेल 9 सितंबर से शुरू होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए मुख्य टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगे। पीटीआई ने BCCO के एक सूत्र के हवाले से कहा, 'नहीं, स्टैंडबाय खिलाड़ी मुख्य टीम के साथ दुबई नहीं जाएंगे।' आमतौर पर तय की गई परंपरा से हटकर खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से अलग-अलग समय पर दुबई पहुंचेंगे, जबकि अन्य मौकों पर टीम रवाना होने से पहले मुंबई में इकट्ठा होती थी। यह निर्णय खिलाड़ियों की यात्रा की सुविधा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। एक वरिष्ठ बीसीसीआई अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया, 'सभी खिलाड़ी 4 सितंबर की शाम तक दुबई पहुंच जाएंगे और पहला नेट्स सत्र 5 सितंबर को ICC अकादमी में होगा। व्यवस्थाओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपने-अपने शहरों से दुबई आने की अनुमति दी जाएगी।' उन्होंने आगे कहा, 'जाहिर है कि कुछ लोग मुंबई से यात्रा करेंगे, लेकिन कुछ अन्य लोगों से पहले मुंबई आने और फिर दुबई जाने के लिए कहना बेतुका है। वैसे भी दुबई की उड़ान अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की तुलना में कम समय की है।'

एशिया कप के लिए भारतीय स्क्वॉड

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा

बिन्नी ने बीसीसीआई अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया, राजीव शुक्ला बने कार्यवाहक अध्यक्ष

मुम्बई (एजेंसी)। राजीव शुक्ला भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के कार्यवाहक अध्यक्ष बने हैं। इससे पहले रोजर बिन्नी ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। अब नए अध्यक्ष का चुनाव होने तक शुक्ला ही बीसीसीआई के प्रमुख रहेंगे। वह पिछले काफी समय से उपाध्यक्ष पद संभाल रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार बुधवार को बीसीसीआई की एपेक्स कमिटी की शीर्ष परिषद की बैठक की अध्यक्षता भी शुक्ला ने ही की थी। इस बैठक में प्रायोजक का मामला भी उठा। इसके तहत ड्रीम11 के हटने के बाद नये प्रायोजक की तलाश को लेकर भी बाह हुई।

वहीं रिपोर्ट के अनुसार एशिया कप से पहले प्रायोजक मिलना संभव नही है क्योंकि उसमें अब दो सप्ताह का समय ही है। इससे पहले नई निविदा निकालना, कानूनी प्रक्रिया का पालन करना और बाकी तकनीकी चीजों को पूरा करना संभव नहीं है। केवल एशिया कप के लिए अलग प्रायोजक लाने की संभावना को भी बोर्ड ने खारिज कर दिया।। बोर्ड का लक्ष्य 2027 के एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए प्रायोजक लाने का है। राष्ट्रीय खेल प्रशासन कानून बन जाने के बाद भी बीसीसीआई को अगले महीने अपनी सालाना आम बैठक करने के साथ ही चुनाव भी कराने की आजादी है।

बीसीसीआई चुनाव में देर नहीं करना चाहेगी। इसका कारण है कि सरकार ने जो खेल कानून बनाया है, अभी उसकी अधिसूचना जारी नहीं की गई है। उसे अधिसूचित होने में कुछ महीने लग सकते हैं इसी को देखते हुए बीसीसीआई चुनाव नहीं टालेगी ताकि तय समय से पहले नया अध्यक्ष कामकाज संभाल ले। अभी बीसीसीआई का प्रशासन लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर आए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बने संविधान के हिसाब से चलता है। ऐसे जब तक संसद से पारित नए खेल कानून की अधिसूचना जारी नहीं हो जाती, तब तक बीसीसीआई और राज्य क्रिकेट संघों को

उसी संविधान से काम करना होगा। वर्तमान कानून के तहत 70 साल की उम्र में बोर्ड में किसी पद पर नहीं रहा जा सकता। इसी कारण बिन्नी को इस्तीफा देना पड़ा था।

पाक टीम एशिया कप के फाइनल में नहीं पहुंचेगी : कनेरिया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने कहा है कि पाक टीम अगले माह 9 सितंबर से शुरु हो रहे एशिया कप के फाइनल में नहीं नहीं पहुंचेगी। यूएई में स्पिनरों की सहायक पिचों पर होने जा रहे एशिया कप में कुल 8 टीमें खेलेंगी, जिन्हें चार-चार टीमों के दो समूहों में बांटा गया है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले कई दिग्गज क्रिकेटरों ने इसको लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। वहीं इसी कड़ी में पाक के पूर्व स्पिनर कनेरिया ने कहा है कि उनकी टीम पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम फाइनल में पहुंचेगी जहां उसका मुकाबला अफगान टीम से होगा। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में शामिल हैं। ऐसे में संभावना जतायी जा रही है कि इस ग्रुप से यही दोनों टीमें सुपर 4 में जाएंगी। ग्रुप स्टेज में भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 सितंबर को है। वहीं अगर दोनों सुपर-4 में पहुंची तो दूसरा मैच इन दोनों टीमों के बीच 21 सितंबर को होगा। वहीं कनेरिया को नहीं लगता कि इस बार पाक सुपर 4 तक पहुंचेगी।

रोहित और विराट को गेंदबाजी करना सबसे कठिन रहा : वुड

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा है कि अपने करियर के दौरान उनके लिए भारतीय टीम के रोहित शर्मा और विराट कोहली के अलावा ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और मिशेल मार्श को गेंदबाजी करना सबसे मुश्किल रहा है। वुड ने रोहित की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें लगता था कि वह शॉर्ट गेंदों के साथ रोहित के खिलाफ सफल हो सकते हैं पर ऐसा नहीं हुआ और रोहित ने उन गेंदों पर कई लंबे छक्के लगा दिये थे। वुड ने कहा, अपने करियर के अलग-अलग अवसरों पर मैंने रोहित की क्षमता देखी है। शार्ट गेंद के सामने आपको लगता है कि उन्हें आउट करने का अवसर है पर अगर वो उस दिन लय में हो तो वह आक्रामक बल्लेबाजी करते है। इसलिए उन्हें आउट करना कठिन था। मुझे हमेशा लगता था कि उनका बल्ला बड़ा होता जा रहा है। रोहित के साथ ही वुड ने विराट कोहली को भी सबसे कठिन बल्लेबाज बताया है। वुड ने कहा कि कोहली अपने करियर के शुरुआती दौर में ऑफ स्टंप के बाहर कमजोर रहे हैं पर मैं उससे लाभ नहीं उठा पाया। वुड ने साथ ही कहा, कोहली अविश्वसनीय प्रतिस्पर्धी रहे, ऐसा खिलाड़ी जिसके बारे में मुझे लगता था कि चौथे और पांचवे स्टंप पर उसकी कमजोरी है। लेकिन जब भी मैंने उसे वहां गेंदे फेंकी, तो वह एक भी गेंद छोड़ते नहीं दिखे।

धवन ने खेल दिवस पर दिया विशेष संदेश

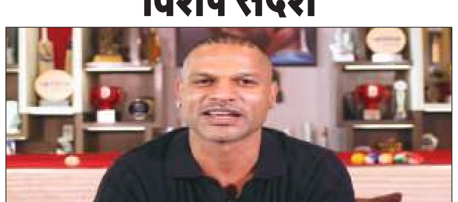

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भेजी इसमें धवन ने लिखा जितना अधिक खेलोगे, उतना अधिक सीखोगे, उतना अधिक जीतोगे। पूर्व सलामी बल्लेबाज धवन ने इसके साथ ही क्रिकेट, फुटबॉल, पूल, घुड़सवारी और यहां तक कि पिकलबॉल खेलते हुए क अपनी तस्वीरें भी प्रशंसकों के साथ शेयर की हैं। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने प्रशंसकों को खेलों में अलग-अलग तरीकों से सक्रिय रहने के अपने जुनून से भी परिचित कराया। उनके खेलों को लेकर दिये संदेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल जीवन के विभिन्न सबक सिखाते हैं, इसमें बताया गया है कि प्रत्येक खेल और मैच व्यक्तिगत विकास और लचीलेपन में योगदान देता है। धवन की पोस्ट न केवल अपनी जीवंत तस्वीरों के लिए, बल्कि व्यापक संदेश के लिए भी प्रशंसकों के दिलों में छायी है। इसमें ये संदेश है कि खेल केवल स्टेडियमों तक सीमित नहीं हैं; ये अनुशासन, टीम वर्क और क्षमताओं को बताते हैं। गौरतलब हैकि हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के सम्मान में 29 अगस्त को हर साल राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। ये खेलों की एकजुटता, प्रेरणा और उत्थान की शक्ति की याद दिलाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल उत्कृष्टता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के एक मंच के रूप में विकसित हुआ है। साल 2019 में फिट इंडिया मूवमेंट की शुरुआत के साथ यह दिन एक व्यापक फिटनेस क्रांति में बदल गया है।

यह संदेश हर किसी तक स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए, शुभमन गिल की कप्तानी पर बोले पठान

भुवनेश्वर (ओडिशा) (एजेंसी)। स्पोर्ट्स डेस्क - रोहित शर्मा के संन्यास के बाद जब शुभमन गिल को भारत का नया टेस्ट कप्तान घोषित किया गया तो कुछ लोगों ने हैरानी जताई थी, खासकर यह देखते हुए कि इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान खराब फॉर्म के कारण उन्हें कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था। हालांकि 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने खुद को एक योग्य कप्तान और भारतीय बल्लेबाजी क्रम का करिश्माई खिलाड़ी साबित किया जिससे टीम को एक ऐतिहासिक सीरीज में 2-2 से बराबरी पर लाया गया और खुद भी इस सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ 754 रन बनाए।

गिल अभी तक टी20 और वनडे में कप्तान नहीं हैं। सूर्यकुमार यादव टी20 टीम की कमान संभालते हैं जबकि रोहित शर्मा 50 ओवरों के प्रारूप में कप्तान बने हुए हैं, हालांकि टीम में उनकी जगह को लेकर सवाल उठ रहे हैं, मुख्यतः इसलिए क्योंकि उन्होंने इस साल पर्याप्त क्रिकेट नहीं खेला

है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने कहा है कि खिलाड़ियों को यह स्पष्ट होना चाहिए कि लंबे समय में टीम की कमान कौन संभालेगा, भले ही इस समय तीन अलग-अलग कप्तान हों। पठान ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह संदेश हर खिलाड़ी तक, मीडिया या प्रशंसकों से ज्यादा, जोरदार और स्पष्ट रूप से पहुंच जाना चाहिए कि इस ट्रेन का इंजन कौन है ताकि ट्रेन एक ही मंजिल तक पहुंचे, चाहे उसकी गति कितनी भी हो। शुभम गिल की कप्तानी समय के साथ बेहतर होती जाएगी, वह नेतृत्व की कला और सीखेंगे, लेकिन उन्होंने जो किया है वह शानदार है।' गिल को व्यापक रूप से तीनों प्रारूपों में कप्तानी संभालने के लिए तैयार माना जा रहा है।

सूर्यकुमार दुनिया के सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाजों में से एक हैं, लेकिन वह 34 साल के हैं जबकि रोहित 38 साल के हैं। पठान को लगता है कि कप्तानी के मामले में भारत ने लंबे समय तक अपनी जगह बना ली है। पठान ने कहा, '(गिल) उनकी बल्लेबाजी क्षमता भी अच्छी है। वह एकदिवसीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं और वहां उप-कप्तान हैं। अब टी20 क्रिकेट में जो वह पिछले एक साल से नियमित रूप से खेल रहे थे, वह भी शामिल हैं। चयन समिति ने उनसे चर्चा की थी कि जैसे ही आप टेस्ट क्रिकेट से मुक्त होंगे, आपको वापसी का मौका मिलेगा। मैं समझता हूं कि मीडिया में कई सवाल उठ रहे हैं, लेकिन भारतीय क्रिकेट एक योजना के अनुसार चलता है और हमेशा से ऐसा ही रहा है। चयन बोर्ड और प्रबंधन की जिम्मेदारी है और मुझे लगता है कि एक ही दिशा में आगे बढ़ना जरूरी है। ऐसा लग रहा है कि भारतीय क्रिकेट इस समय शुभमन गिल के साथ यही कर रहा है।'

एशिया कप में बुमराह सहित ये तीन खिलाड़ी निभाएंगे अहम भूमिका : सहवाग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि अगले माह होने वाले एशिया कप में अभिषेक शर्मा, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती एक्स फैक्टर होंगे। सहवाग के अनुसार भारतीय टीम यूएई में होने वाले इस टूर्नामेंट में जीत की प्रबल दावेदार है।

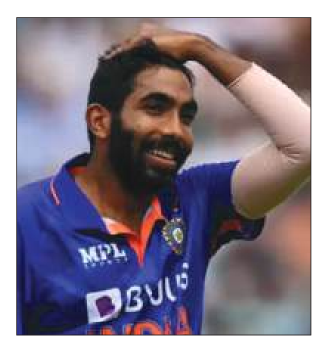

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। सहवाग ने कहा कि तेज गेंदबाज बुमराह के अलावा आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शुरुआत में ही विरोधी टीम पर दबाव बना देंगे। वहीं आईपीएल में मिस्ट्री स्पिनर के नाम से पहचान बनाने वाले वरुण चक्रवर्ती रही सही कसर पूरी कर देंगे। अभिषेक ने अब तक के सफर में भारतीय टीम की ओर से कई आक्रामक पारियां खेली हैं। वहीं वरुण ने चैंपियंस ट्रॉफी में स्पिन गेंदबाजी से विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया था। इससे भारतीय टीम ट्रॉफी जीती थी। सहवाग ने कहा, 'मुझे लगता है कि अभिषेक और बुमराह व वरुण मैच में बदलाव ला सकते हैं।' बुमराह ने पिछले साल के टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान 15 विकेट लिए थे। 70 टी20आई में, उनके पास 17.74 की औसत से 89 विकेट हैं। वहीं दूसरी ओर अभिषेक ने 17 मैचों में 193.84 की शानदार स्ट्राइक रेट से 535 रन बनाए हैं। इसमें दो शतक और दो अर्धशतक हैं। वहीं वरुण ने 15 टी20 में 33 विकेट लिए हैं। उनकी फिरकी का सामना करना बड़े-बड़े बल्लेबाजों के बस की बात नहीं होती।

आईपीएल में जो भी टीम खरीदेगी उससे खेलने के लिए तैयार हैं शमी

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने कहा है कि वह आईपीएल के अगले सत्र में किसी भी टीम से खेलने के लिए तैयार हैं। पिछले साल उन्हें सनराइजर्स ने मेगा नीलामी में 10 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। शमी ने 9 मैच खेले और 56.16 की औसत से केवल 6 विकेट ही ले लिए थे। ऐसे में शमी को लगता है कि आईपीएल के इस सत्र में सनराइजर्स उन्हें शायद ही रिटेन करे। इसी को देखते हुए उनका कहना है कि वह किसी भी टीम से खेल सकते हैं। शमी ने कहा, मैं किसी भी टीम के लिए खेलने को तैयार हूं। जो भी मेरे लिए नीलामी में बोली लगायेगा। साथ ही कहा कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है। यह आईपीएल है, क्रिकेट का उत्सव और प्रशंसकों के लिए मनोरंजन है। जो भी इसमें आपके लिए बोली लगाए, उसके साथ जाना होगा। गौरतलब है कि शमी ने आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ 2023 सत्र में गुजरात टाइटन्स की ओर से किया था। इस सत्र में उन्होंने 17 मैचो में 18.64 की औसत से 28 विकेट लिए हैं। इसी सत्र में शमी ने पर्पल कैप भी हासिल की है। अपने पहले ही आईपीएल सत्र 2022 में, उन्होंने 24.40 की औसत से 20 विकेट लिए हैं।

हसरंगा के बिना ही जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी श्रीलंकाई टीम

कोलंबो। श्रीलंका के गेंदबाजी ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने के कारण अगले माह जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली दो एकदिवसीय और तीन मैचों की टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा का अब 9 सितंबर से यूएई में होने वाले एशिया कप में खेलना भी संदिग्ध है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम घोषित कर दी गई है। हसरंगा को जुलाई में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। वह अभी भी पूरी तरह से चोट से नहीं उबर पाए हैं। गत माह जुलाई से ही हसरंगा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नहीं खेल पाये हैं। वह एक अच्छे स्पिनर होने के साथ ही निचले क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। ऐसे में जिम्बाब्वे दौरे पर टीम के लिए उनकी कमी पूरी करना आसान नहीं होगा। ऐसे में स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी महिश तिक्षाणा और दुनिथ वेल्लालागे के पास रहेगी। वहीं तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी टी20 टीम में शामिल किया गया है। लंकाई टीम साल 2008 के बाद पहली बार जिम्बाब्वे जाएगी। एकदिवसीय सीरीज के दो मैच 29 अगस्त और 31 अगस्त को हरारे में होंगे। वहीं, तीन टी20 मैच 3, 6 और 7 सितंबर को हरारे में ही खेले जाएंगे।

श्रीलंका टी20 टीम इस प्रकार है - चरिथ असलांका (कप्तान), पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानिदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, विशेन हलंबगे, दासुन शनाका, दुनिथ वेल्लालागे, चमिका करुणारत्ने, महीश तिक्षाना, दुशान हेमंथा, दुशमंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, नुवान तुषारा और मथीशा पथिराना।

श्रीलंकाई एकदिवसीय टीम - चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसांका, निशान मदुष्का, कुसल मेंडिस, सदीरा समाराविक्रमा, नुवानिडु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, जेनिथ लियानेज, पवन रत्नायके, दुनिथ वेल्लालागे, मिलन रथनायके, महेश दीक्षाना, जेफरी वेंडरसे, असिथा फर्नांडो, दुष्मंथा चमीरा और दिलशान मदुशंका।

औसत से कम प्रदर्शन, नीरज चोपड़ा डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे

ज्यूरिख (एजेंसी)। विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार रात अपने छठे और अंतिम प्रयास में रात का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 85.01 मीटर भाला फेंका और सीजन के आखिरी डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा दो वैध थ्रो और तीन फाउल के साथ 84.35 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे, लेकिन अपने आखिरी प्रयास में केशोर्न वालकॉट को पछाड़कर दूसरे स्थान पर आ गए। उपविजेता स्थान हासिल करने से भारतीय दिग्गज और मौजूदा विश्व चैंपियन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार 26 बार शीर्ष दो में रहने के अपने अविश्वसनीय क्रम को भी बरकरार रखने में मदद मिली।

अक्टूबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप से कुछ हफ्ते पहले आयोजित एक प्रतियोगिता में चोपड़ा पिछले साल जीता गया अपना खिताब बरकरार रखने में नाकाम रहे और 84.35 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जो इस स्विस शहर में 7 खिलाड़ियों के बीच उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 90.23 मीटर से कम था।

गत विजेता चोपड़ा को अपनी लय पाने में संघर्ष करना पड़ा और अपनी तकनीक में गलतियां करते हुए वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष करते रहे। अंतिम विजेता जूलियन वेबर पहले ही दौर में अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और विश्व-अग्रणी दूरी हासिल करने में सफल रहे। उन्होंने जोरदार थ्रो से भाला 91.37 मीटर पर पहुंचा दिया, जो उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ 90.06 मीटर से बेहतर था, जिसने पहले कुछ मिनटों में ही प्रतियोगिता को समाप्त कर दिया।

पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स 82.06 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे क्योंकि वेबर को छोड़कर अधिकांश अन्य दो दिवसीय प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में विफल रहे। टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक और पिछले साल पेरिस में रजत पदक जीतने वाले 27 वर्षीय चोपड़ा ने अपने पहले प्रयास में 84.35 मीटर का थ्रो फेंका, जिससे वह जर्मनी के जूलियन वेबर (91.37 मीटर) और त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (84.95 मीटर) के बाद तीसरे स्थान पर रहे।

वालकोट और चोपड़ा दोनों ने 79.91 मीटर और 82.00 मीटर के थ्रो फेंके, वेबर 91.51 मीटर के थ्रो के साथ आगे बढ़े जिसने लगभग उनके लिए पहला स्थान तय कर दिया। उन्होंने और चोपड़ा दोनों ने अपने तीसरे प्रयास में फाउल किया, जबकि भारतीय के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता ने अपने अगले प्रयास में भी फाउल किया। वेबर (83.66 मीटर) और वाल्कोट (81.78 मीटर) ने ऐसे थ्रो फेंके जिनका समग्र परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा।

चोपड़ा ने अपने पांचवें प्रयास में भी फाउल किया जबकि वाल्कॉट ने 77.00 मीटर का औसत थ्रो किया और वेबर ने 86.45 मीटर के साथ प्रतियोगिता का तीसरा सर्वश्रेष्ठ

थ्रो किया। उन्होंने अंतिम प्रयास में छठे और अंतिम थ्रो के साथ वाल्कॉट को पीछे छोड़ दिया। चोपड़ा ने जून में पेरिस में 88.16 मीटर के प्रयास के साथ प्रथम स्थान प्राप्त करके डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने मई में दोहा में 90.25 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ और राष्ट्रीय रिकॉर्ड थ्रो किया था, जो 90 मीटर के निशान से आगे उनका पहला प्रयास था, और ज्यूरिख में फिर से 90 मीटर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद कर रहे थे।

काम हीरो जितना लेकिन पैसा दसवां हिस्सा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग में बिजी हैं। इसी बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वो हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की कड़वी सच्चाई के खिलाफ आवाज उठाते हुए नजर आ रही हैं। प्रियंका फिल्म जगत में असमान वेतन और पुरुष प्रधान कल्चर पर बात कर रही हैं।

तेलुगु फिल्म में आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा ने अपने अभिनय की शुरुआत भारतीय सिनेमा से की और समय के साथ न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी खास जगह बनाई। वह अब जल्द ही तेलुगु सिनेमा में भी कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में वो साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

वायरल वीडियो में प्रियंका साफ कहती हैं कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में सब कुछ पुरुष केंद्रित है। उनकी मानें तो सेट पर मेहनत दोनों ही कलाकार करते हैं, परंतु भुगतान में भारी असमानता है। उन्होंने कहा कि अक्सर हीरो तय करता है कि शूटिंग कब शुरू होगी और सबको उसका इंतजार करना पड़ता है, जबकि अभिनेत्रियों की राय या समय का कोई महत्व नहीं दिया जाता। प्रियंका के मुताबिक, उन्होंने अपने करियर के शुरुआती दौर में ऐसे हालात देखे जब किसी फिल्म में नायक को दी गई फीस का दसवां हिस्सा भी उन्हें नहीं मिला। कई बार जब उन्होंने बराबरी की बात उठाई, तो उन्हें ज्यादा मांग करने वाली या घमंडी करार दिया गया और मौके भी छीन लिए गए।

फिर से शुरू हुई बहस

प्रियंका के इस वीडियो से पहले भी कई बार ये मुद्दा उठ चुका है। इससे पहले भी दीपिका पादुकोण और विद्या बालन जैसी अभिनेत्रियां वेतन असमानता पर अपनी राय रख चुकी हैं। हालांकि बावजूद इसके कोई ज्यादा फर्क नजर नहीं आता है। उदाहरण के तौर पर नितेश तिवारी की रामायण में मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जहां रणबीर कपूर राम बनने के लिए 75 करोड़ रुपये एक पार्ट के लिए चार्ज कर रहे हैं वहीं कोइमोई की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में सीता का किरदार निभा रहीं साई पल्लवी को 18-20 करोड़ रुपये मिल रहे हैं।

हॉलीवुड में मिला समान सम्मान

दिलचस्प बात यह है कि वीडियो में प्रियंका सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड का भी जिक्र करती हैं। उन्होंने कहा कि विदेश में उन्हें हीरो के बराबर मेहनताना दिया गया और वहां महिला कलाकारों को वो सम्मान मिला जिसकी कमी बॉलीवुड में अब भी है। यह अनुभव उनके लिए बेहद संतोषजनक रहा।

ऑल अबाउट हर में होंगी मजेदार और जरूरी बातें

अभिनेत्री सोहा अली खान ने डिजिटल ऑडियंस के साथ जुड़ने के लिए पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर शुरू किया है। अभिनेत्री ने बताया कि कोविड के बाद से ही पॉडकास्ट का चलन कुछ ज्यादा ही हो गया है। ऐसे में हम एक ऐसा फॉर्मेट लेकर आए हैं, जो अब तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है। बातचीत में सोहा ने कहा, मैं मानती हूं कि आजकल पॉडकास्ट्स की संख्या बहुत बढ़ गई है और लोगों की दिलचस्पी भी इसमें बढ़ रही है। लेकिन जब मैंने रिसर्च की तो देखा कि न्यूज, फिक्शनल थ्रिलर्स, वेलनेस और पैरेंटिंग जैसे विषयों पर कई पॉडकास्ट हैं, मगर महिलाओं की वेलनेस को लेकर कोई बात नहीं कर रहा है और मैं इस पॉडकास्ट के जरिए इसी गैप को भरने की कोशिश कर रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि आमतौर पर पॉडकास्ट में या तो कोई सेलेब्रिटी होता है या कोई एक्सपर्ट। लेकिन उनके पॉडकास्ट का फॉर्मेट थोड़ा नया है। इसमें न केवल सेलिब्रिटी होंगे बल्कि एक्सपर्ट्स भी होंगे। सोहा ने कहा, जब कोई एक्सपर्ट होता है, तो बातचीत थोड़ी बोरिंग हो जाती है, जबकि सेलेब्रिटी के साथ बातचीत और मजेदार लगने लगती है, लेकिन उन बातचीत में कुछ सीखने को नहीं मिलता है। लेकिन जब दोनों को एक साथ लाया जाए, तो बातचीत भी मजेदार होती है और सुनने वालों को कुछ काम की बातें भी मिलती हैं। यही इस पॉडकास्ट की खासियत है। उम्मीद है कि यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक बनाएगा और उपयोगी जानकारी मुहैया कराने का एक बेहतरीन मंच साबित होगा। इस पॉडकास्ट में अलग-अलग क्षेत्रों की जानी-मानी महिलाएं शामिल होंगी, जिनमें मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, और सनी लियोन जैसे कई पॉपुलर चेहरे नजर आएंगे। साथ ही, किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु, और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञों को भी इसमें देखा जा सकेगा, जो अलग-अलग मुद्दों पर अपनी राय देती दिखेंगी। अभिनेत्री का पॉडकास्ट ऑल अबाउट यूट्यूब पर स्ट्रीम हो रहा है।

नो एंट्री का बिपाशा बसु वाला रोल लारा दत्ता को हुआ था ऑफर

साल 2005 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'नो एंट्री' ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया था। इसे आज भी लोग देखना पसंद करते हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। इसमें सलमान खान, अनिल कपूर, फरदीन खान, बिपाशा बसु, लारा दत्ता, ईशा देओल, सेलिना जेटली और बोमन ईरानी समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में थे। इस फिल्म को रिलीज हुए 20 साल हो चुके हैं। इस मौके पर फिल्म की एक्ट्रेस लारा दत्ता ने खुलासा किया है कि बिपाशा वाले रोल के लिए उन्हें सेलेक्ट किया गया था। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर लिखा, नो एंट्री के 20 साल पूरे हो गए। यह फिल्म हमेशा मेरी पसंदीदा फिल्मों में से एक रहेगी। कॉमेडी में मेरा पहला कदम, मुझे वह रोल मिला था, जो बाद में बिपाशा ने निभाया था। मुझे याद है कि मैंने अनीस बज्मी से कहा था कि काजल का किरदार मेरे अब तक के सबसे अलग किरदारों में से एक है और मुझे एक बेहद शक्की, बड़बोली, पंजाबी पत्नी का किरदार निभाने के लिए खुद को कड़ी चुनौती देनी होगी। हैरानी की बात है कि मैंने उस किरदार को पूरी तरह से अपनाया और उसे निभाते हुए मुझे बहुत मजा आया।

बेबी के किरदार की वजह से मिला तेहरान में मौका

मधुरिमा तुली की तेहरान हाल ही में जी5 पर रिलीज हुई है। इसमें उनके साथ जॉन अब्राहम भी हैं। मधुरिमा ने खास बातचीत की।

फिल्म का हिस्सा कैसे बनीं?

पिछले कुछ समय से मैं लगातार म्यूजिक वीडियो कर रही थी और साथ ही कई लुक टेस्ट भी दे रही थी, लेकिन कहीं बात बन नहीं पा रही थी। तभी मेरी मैनेजर ने मेरे कुछ फोटो इस फिल्म के लिए भेजे। मेकर्स ने जब उन्हें देखा तो मुझे इस किरदार के लिए चुन लिया। बाद में जब मेरी मुलाकात टीम से हुई तो मुझे स्क्रिप्ट और मेरा किरदार दोनों ही बेहद पसंद आए। उन्होंने बताया कि मेरी पिछली फिल्म बेबी में निभाए गए किरदार को देखकर ही मुझे चुना गया था, क्योंकि उन्हें वैसी ही एक लड़की अपने प्रोजेक्ट के लिए चाहिए थी।

जॉन संग बॉन्डिंग कैसी रही?

मेरी और जॉन की बॉन्डिंग काफी जबरदस्त रही। हमने साथ में कई संजीदा सीन्स किए और उनके लिए डायरेक्टर्स के साथ कई बार रीडिंग सेशन भी हुए। अक्सर हम बैठकर सोचते थे कि किसी सीन को किस तरह और बेहतर तरीके से परफॉर्म किया जा सकता है। इस दौरान हमारा कोऑर्डिनेशन बहुत अच्छा बना, जिसकी वजह से ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी और निखर कर सामने आई। वहीं अगर स्क्रिप्ट की बात करूं तो यह वाकई बहुत खूबसूरती से लिखी गई है। इसमें कई कठिन भाव ऐसे हैं जिन्हें बेहद कम शब्दों में बड़े सहज और असरदार तरीके से बयां किया गया है।

निर्देशक विष्णुवर्धन की अगली फिल्म में दिखाई देंगे कार्तिक

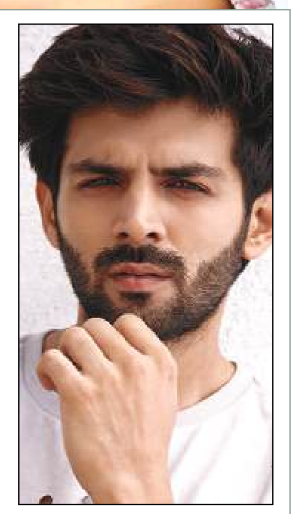

अभिनेता कार्तिक आर्यन को पिछली बार फिल्म भूल भुलैया 3 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई। आने वाले समय में कार्तिक एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे और अब उनके खाते से एक और बड़ी फिल्म जुड़ गई है। कार्तिक ने अपनी अगली फिल्म के लिए पहली बार निर्देशक विष्णुवर्धन से हाथ मिलाया है, जिन्हें सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी की फिल्म शेरशाह के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विष्णुवर्धन एक जॉम्बी फिल्म लेकर आ रहे हैं, जिसके हीरो कार्तिक होंगे। निर्माताओं की तरफ से फिल्म की हरी झंडी मिल गई है। कार्तिक ने भी फिल्म के लिए हामी भर दी है, लेकिन कागजी कार्रवाई अभी बाकी है। फिल्म की कहानी लिखी जा चुकी है और जुलाई 2026 में इसकी शूटिंग शुरू होगी।

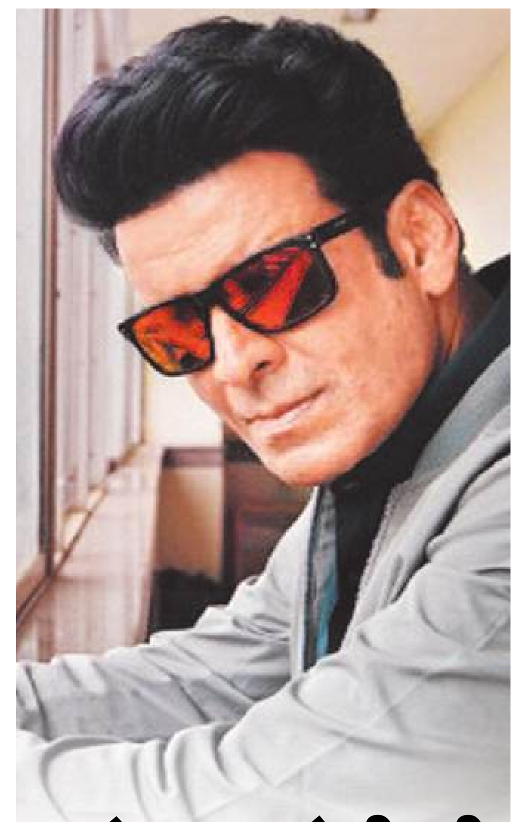

मनोज बाजपेयी की नई फिल्म 'जुगनुमा' की हुई घोषणा

ओटीटी के किंग कहे जाने वाले अभिनेता मनोज बाजपेयी आने वाले वक्त में अलग-अलग जॉनर के कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाले हैं। आज ही उनकी नई फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' का ट्रेलर रिलीज हुआ है। अब मनोज बाजपेयी के एक और प्रोजेक्ट की जानकारी सामने आई है। उनकी इस फिल्म का नाम है 'जुगनुमा'। आज फिल्म का पोस्टर और इसकी रिलीज डेट सामने आई है।

कुछ ऐसी होगी फिल्म की कहानी

'जुगनुमा' एक जादुई फिक्शनल ड्रामा है। इस फिल्म की कहानी 80 के दशक के आखिरी में आधारित है। फिल्म के केंद्र में है देव, जिसे मनोज बाजपेयी ने निभाया है। देव हिमालय में स्थिति अपने फलों के बागों में रहस्यमय तरीके से जले हुए पेड़ों की खोज करता है। तमाम कोशिशों के बावजूद और भी आग लग जाती है, जिससे उसे खुद को और अपने परिवार को उनके असली रूप में देखने का मौका मिलता है। कहानी काफी रोचक मालूम पड़ती है। फिल्म 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

फिल्म से जुड़े हैं अनुराग कश्यप

'जुगनुमा' का निर्देशन राम रेड्डी ने किया है। यह उनकी दूसरी फिल्म है। उन्होंने इससे पहले साल 2016 में आई नेशनल अवॉर्ड विनिंग कन्नड़ फिल्म 'तिथि' का निर्देशन किया था। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा दीपक डोबरियाल, प्रियंका बोस, हिरल सिद्धू, तिलोत्तमा शोम सरीखे कलाकार भी नजर आएंगे। निर्माता गुनीत मोंगा कपूर और अनुराग कश्यप इस फिल्म से बतौर एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं।

'द फैमिली मैन' के नए सीजन का इंतजार कर रहे फैंस

मनोज बाजपेयी के वर्कफ्रंट की बात करें तो इसके अलावा वो नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' में नजर आएंगे, जो 5 सितंबर को रिलीज हो रही है। इसके अलावा दर्शक उनकी लोकप्रिय वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन का भी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'द फैमिली मैन' के नए सीजन के इस साल की अंत तक आने की उम्मीद है।

इंडस्ट्री ने काम देना बंद कर दिया था हम रेसिस्ट हैं, बदलने में वक्त लगेगा

अपने अभिनय के लिए नैशनल अवॉर्ड की हकदार रही पल्लवी जोशी के करियर में एक दौर ऐसा भी आया, जब उनके पास काम नहीं था। कश्मीर फाइल्स के बाद वे चर्चा में हैं द बंगाल फाइल्स से।

आप फिल्म और टीवी दोनों का हिस्सा रहीं हैं, मगर लंबे अरसे से आपने अभिनेत्री के रूप में खुद को डायरेक्टर पति विवेक अग्निहोत्री की फिल्मों तक सीमित कर लिया है?

मैं तो विवेक की बहुत शुक्रगुज़ार हूं कि वो मेरे लिए किरदार लिख रहे हैं। कम से कम मैं उनकी फिल्मों में तो काम कर पा रही हूं, क्योंकि बाहर की फिल्मों में तो मुझे काम मिलना बंद हो गया था। ये हुआ 2004-5 से। मेरी दो सहेलियां हैं, रेणुका (शहाणे) और मृणाल जिन्होंने मुझे कास्ट किया। अन्यथा मुझे तो कोई ऑफर्स ही नहीं आ रहे थे। मुझे टीवी के वही डेली सोप के प्रस्ताव आ रहे थे, जो मैं करना नहीं चाहती थी। उसमें कोई किरदार नहीं होता, आप किसी की मां या सास होते हैं और वो चरित्र कभी भी पलटी मार सकता है। मेरे लिए रोल की शुरुआत और एंडिंग जानना जरूरी होता है। मैं अभिनय नहीं कर रही थी तो मैंने अपना प्रोडक्शन शुरू किया। मैंने दो हजार के दशक में दो मराठी फ़िल्में बनाई थीं। फिर हमने अपना होम प्रोडक्शन शुरू किया।

आप जैसी समर्थ अदाकारा के लिए रोल्स की कमी क्यों कर हुई?

मुझे कोई आइडिया नहीं है। हां बीच में दो हजार के दशक में मेरी समकालीन अभिनेत्रियां घर बैठ गई थीं। ये चलन हो गया था कि अरे इनको बहुत देख लिया है, नए चेहरों को लो। मेरे साथ की कई अभिनेत्रियों को नुकसान पहुंचा था। नीना गुप्ता को छोड़ दिया जाए, और उन्होंने भी ट्विटर पर डाल दिया था कि उन्हें काम नहीं मिल रहा, तो उसके बाद उन्हें काम मिलने लगा। वरना वे कितने सालों तक घर पर बैठी थीं। ये दुखद है, मगर जो अच्छे एक्टर्स होते हैं, वे अच्छे कैरेक्टर भी तो चाहते हैं।

इंडस्ट्री में अनकन्वेंशनल रूप-रंग के कारण आपको रिजेक्शन का शिकार होना पड़ा था?

बहुत पहले हुआ था। विवेक मुझे किसी टीवी प्रॉजेक्ट के लिए कास्ट कर रहे थे, तो एक सीनियर पर्सन ने कहा, पल्लवी जोशी को कास्ट मत करो, वो काली है। तब विवेक ने हंस कर कहा था, मेकअप भी कोई चीज होती है। मगर ये तो होता ही है। हमारे यहां जब बच्चा पैदा होता है, तो पूछा जाता है, गोरा है या काला है? हमें आज भी गोरी चमड़ी का ऑब्सेशन है। लड़का है या लड़की है? यह भी पूछा जाता है, तो हम रेसिस्ट भी हैं और सेक्सिस्ट भी। समस्या हमारे अंदर है, तो जब तक उसमें सुधार नहीं होगा, कुछ नहीं बदलेगा।

आपके निर्देशक पति विवेक अग्निहोत्री का कहना है कि द बंगाल फाइल्स एजेंडा वाली फिल्म है, आप क्या कहेंगी?

देखिए, ये सच तो है, मगर उसे कहने का मेरा तरीका विवेक से हट कर है। मैं कहती हूं कि किसी एक फैक्ट को नहीं छुपाया गया कि इससे देश का सोशल फैब्रिक खराब होगा, हमने देखा कि जो-जो हमने सहा, वो सब कुछ दबा कर रख दिया गया। कहने का अर्थ ये है कि जो पूरा सच छुपाया गया, वो एक एजेंडा था। भारतीय नागरिक होने के नाते इस एजेंडे को बेनकाब करना मेरा कर्तव्य है। मैं फिल्म में मां भारती का किरदार कर रही हूं। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म में सारे किरदार वास्तविक हैं, सिर्फ मेरा किरदार काल्पनिक है, तो इसे करना चुनौतीपूर्ण रहा।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।